वर्ष-12//अंक-32//मई// 2024

ISSN 2454–5805

आम आदमी® पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

कभी सत्ता चलाने वाले आज 272 सीटों पर लड़ नहीं पा रहे तो सरकार कैसे बनाएंगे: PM मोदी

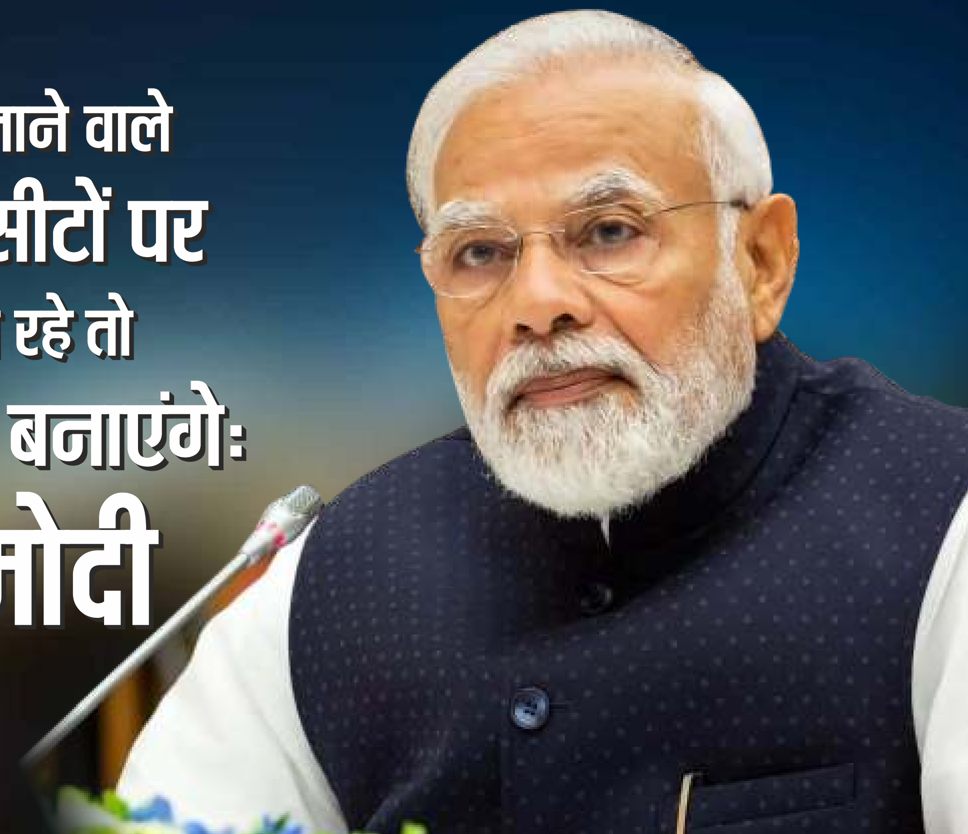

संविधान, आरक्षण, गारंटी और 400 पार... PM मोदी के इंटरव्यू की 25 बड़ी बातें

पहले लोगों ने मोड़ा मुंह, अब गांधी परिवार ने छोड़ा मोह, 25 साल बाद अमेठी में नहीं लड़ेगा चुनाव

14

ओडिशा में लोकसभा की सभी 21 सीटें जीतेंगे... केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का दावा

12

'दुशील को लेकर काका का मोह' राधिका खेड़ा ने कर दिया खुलासा, पूर्व सीएम पर लगाया बड़ा आरोप

19

क्यों चर्चे में है बस्तर की फाइटर गर्ल निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल

eyes events & advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-12//अंक-32//मई//2024

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	आइज इवेंट्स
मार्केटिंग मैनेजर	:	किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	:	कुसुम श्रीवास्तव
अकाउंट असिस्टेंट	:	प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास,
अग्रसेन धाम के पीछे, वी.आई.पी.रोड, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-4044047

ईमेल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

मई 2024

इस अंक में

रायपुर. लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत रायपुर संसदीय क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जाने के बाद भी इस बार मतदान के प्रतिशत में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई और मतदान को लेकर मतदाताओं में रुचि कम देखी गई. रात 11 बजे के अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक रायपुर लोकसभा क्षेत्र में कुल 23 लाख 75 हजार 379 मतदाताओं में से करीब साढ़े आठ लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया.

30

अडानी ग्रुप को एक और जोर का झटका, SEBI ने 6 कंपनियों को थमाया नोटिस

10

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज समेत ग्रुप की 6 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस भेजा है.

उद्धव कितनी भी गालियां दें, मैं नहीं बोलूंगा क्योंकि ये मेरी बालासाहेब के प्रति श्रद्धा है

18

पीएम मोदी ने कहा, जब उद्धव ठाकरे का ऑपरेशन हुआ तो मैं उन्हें रोज फोन करता था. उन्होंने मुझे पूछा भी कि क्या करूं, इस पर मैंने कहा कि आप पहले ऑपरेशन करवाइए.

ईडी की बड़ी कार्रवाई, 205 करोड़ की संपत्ति कुर्क, टुटेजा और अनवर ढेबर के खिलाफ एक्शन

25

छत्तीसगढ़ में ईडी ने एक बार फिर से एक्शन लिया है. कथित आबकारी घोटाले में कार्रवाई करते हुए 205 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है.

असम, बंगाल में बरसे वोट

26

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर 63.46 मतदान हुआ. असम, गोवा और पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने जमकर उत्साह दिखाया.

पतंजलि को एक और जोरदार झटका, 14 प्रोडक्ट्स बनाने का लाइसेंस रद्द

33

उत्तराखंड सरकार ने बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य फार्मेसी के करीब 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं.

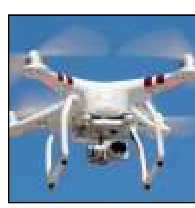

ड्रोन से होगी बूथों की सुरक्षा, आठ हजार वॉलंटियर हर सुविधा का ध्यान रखेंगे

37

दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए 25 मई को मतदान होगा. 9 मई को चुनाव आयोग प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर देगा.

केजरीवाल की कवायद के मायने

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

जब से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दी है, तब से ही अटकलों का बाजार गरम है कि विशेषकर दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के चुनावी नतीजों पर आप संयोजक का प्रचार अभियान क्या असर डालेगा? दिल्ली और हरियाणा में एक साथ 25 मई को मत डाले जाएंगे, जबकि पंजाब में 1 जून को चुनाव होगा.

आम आदमी पार्टी बीते कुछ समय से तेजी से उभर रही थी. खासतौर से 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद कई हलकों में ऐसा लग रहा था कि 2024 के आम चुनाव में वह मजबूती से सामने आएगी. इसकी एक वजह यह भी थी कि दिसंबर, 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन न करने के बावजूद उसे 15 प्रतिशत के आसपास मत मिले थे. मगर 2023 के विधानसभा चुनावों से जो राजनीतिक परि–श्य बना, उससे पंजाब और दिल्ली को छोड़कर शेष जगहों पर आप के प्रति आकर्षण कम नजर आया.

दिल्ली में यह दल 2015 से ही अनवरत सत्ता में है, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में वह तीसरे नंबर की पार्टी थी. हालांकि, 2023 के दिल्ली निगम चुनावों में उसने जीत दर्ज की है. वहीं, पंजाब में 2019 के आम चुनाव में उसे महज एक सीट मिली थी, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए उसने 42 फीसदी मत हासिल किए और सरकार भी बनाई. अभी वह पंजाब में सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और उसका वहां किसी दल से समझौता नहीं है. जबकि, शेष भारत में वह 'इंडिया ब्लॉक' से साथ है. दिल्ली में आप चार और कांग्रेस तीन संसदीय सीटों पर लड़ रही है, जबकि हरियाणा में यह अनुपात एक और नौ का है. ऐसे में, सवाल प्रासंगिक है कि इन राज्यों में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी या अंतरिम जमानत से क्या कोई असर पड़ने वाला है?

निस्संदेह, केजरीवाल की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है, खासकर दिल्ली और पंजाब में. जमानत पर बाहर आने के बाद से वह लगातार रैलियां कर रहे हैं और चुनावी हवा को अपने पक्ष में करने की कोशिश में भी हैं. उन्होंने मतदाताओं को 10 गारंटी भी दी है. हालांकि, इनमें से चार गारंटी– दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा, देश में 24 घंटे बिजली का इंतजाम व गरीबों को मुफ्त बिजली, हर बच्चे की मुफ्त व अच्छी शिक्षा और गांव–मोहल्ले में मोहल्ला क्लीनिक व जिले में मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल का निर्माण दिल्ली सरकार के पुराने वायदों की ही अगली कड़ी है. बाकी चार गारंटी– एक साल में दो करोड़ रोजगार, भ्रष्टाचार का अंत, कारोबारियों के लिए अच्छी व्यवस्था और स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों के अनुसार किसानों को फसलों के वाजिब दाम जैसे वायदे भी कमोबेश सभी दल करते ही हैं.

हां, शेष दो गारंटी ऐसी जरूर है, जिस पर आप ने पहले अपने विचार नहीं रखे थे. इनमें से एक है, चीन से निपटने के लिए सेना को खुली छूट देना और दूसरी है, अग्निवीर योजना का अंत. हालांकि, आप ने भले पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर अपनी बात बतौर गारंटी रखी है, लेकिन इन मुद्दों की चर्चा भी देश की विपक्षी पार्टियां करती रही हैं. इसीलिए यह देखना होगा कि अपनी गारंटी से आप इन राज्यों में अपने पक्ष में महौल बना पाती है या नहीं?

यहां कांग्रेस को लेकर उसकी दुविधा भी उल्लेखनीय है. पिछले आम चुनाव में दिल्ली का करीब 55 प्रतिशत मत भाजपा को मिला था. इस बार कांग्रेस और आप के एक साथ आ जाने से कागज पर तो यह गठबंधन मजबूत दिख रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर आपसी सामंजस्य पर सवाल उठ रहे हैं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने पिछले दिनों कुछ इसी तरह के आरोप लगाकर भाजपा का दामन थाम लिया. ऐसे में, अरविंद केजरीवाल बेशक एक तरफ अपने जेल जाने की सहानुभूति बटोरने और दूसरी तरफ, भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ पर हमलावर होकर चुनावी अभियान को धार देना चाह रहे हैं, लेकिन जमीन पर वह आप और कांग्रेस के बीच सामंजस्य बनाकर यहां का मुकाबला कितना कठिन बना सकेंगे, इस पर सबकी नजर है.

कांग्रेस को लेकर एक पेचीदा सवाल यह भी है कि क्या वह चाहेगी कि विधानसभा के साथ-साथ लोकसभा में भी आप एक मजबूत दावेदार बनकर उभरे, क्योंकि यह जगजाहिर है कि दिल्ली की राजनीति में कांग्रेस की गिरावट की बड़ी वजह आप का उभार है. यह सवाल इसलिए भी कांग्रेस को मथ रहा होगा, क्योंकि पिछले आम चुनाव में मत प्रतिशत के हिसाब से दिल्ली की वह दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी. इसी द्वंद्व से उसे पंजाब में भी गुजरना है और हरियाणा में भी. पंजाब में 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 13 में से आठ सीटें जीती थीं, जबकि शिरोमणि अकाली दल व भाजपा को दो-दो सीटें मिली थीं. वहीं आप को एक सीट मिली थी. पंजाब विधानसभा चुनावों में भारी जीत के बाद आप यही चाहेगी कि लोकसभा में भी उसका कद बढ़े. जाहिर है, यदि ऐसा होता है, तो वहां कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं. लिहाजा, सवाल यही है कि अगले 15 दिनों के लिए आप और कांग्रेस आपसी रंजिश को भुलाकर कितना एकजुट हो पाएंगी? तभी 'इंडिया' ब्लॉक भी अपने लिए उम्मीदें पाल सकता है.

रही बात भाजपा की, तो भ्रष्टाचार और कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर वह आप पर हमलावर है. हालांकि, उसके लिए भी चुनौतियां कम नहीं हैं. उसकी रणनीति पंजाब की अपनी दोनों सीटें बचाने के साथ-साथ हरियाणा की सभी 10 और दिल्ली की सभी सात सीटों पर पुनर्वापसी की होगी. दिल्ली की चुनावी लड़ाई आप और कांग्रेस गठबंधन बन जाने से बहुत आसान नहीं रह गई है, जबकि हरियाणा में किसानों का मुद्दा अब तक हावी है,

जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के साथ उसका गठबंधन टूट चुका है और बीरेंद्र सिंह जैसे कद्दावर जाट नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं. लिहाजा, भाजपा यहां अपने नुकसान को कम से कम करने की रणनीति पर काम कर रही होगी.

स्पष्ट है, अगले 15 दिनों का प्रचार अभियान दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए निर्णायक साबित होने वाला है. अगर आम आदमी पार्टी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी, तो अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता सवालों के घेरे में आ सकती है.

चलो चलें केदारनाथ

हिमालय की घाटियों में आप दूर तक कहीं भी चले जाएं आलौकिक, प्राकृतिक सुषमा आपका मन मोह लेगी. आप वहां जाकर इस कदर प्रकृति के अनुपम सौन्दर्य में खो जाएंगे कि फिर घर लौटने को दिल नहीं करेगा. हिमालय की मनोरम वादियों में ऐसे कई स्थल है जो आपको थोड़े समय के लिए एक ऐसी दुनिया में ले आएंगे कि आप अपने सारे गमों को भूल जाएंगे. अनेकों स्थलों के बीच एक पवित्र स्थल है केदारनाथ जो एक महत्वपूर्ण धार्मिक केन्द्र तो है ही, साथ ही पर्यटन के लिहाज से भी इसका कम महत्व नहीं है. केदारनाथ उत्तर प्रदेश के गढ़वाल मंडल में बद्रीनाथ से महज 42 किलोमीटर दूर समुद्र की सतह से 3571 मीटर की ऊंचाई पर बसा देशी-विदेशी पर्यटकों, प्रकृति प्रेमियों, वनस्पति शास्त्रियों और भक्तजनों के लिए एक खासा महत्वपूर्ण और रमणीय स्थान है.

यहां पर दूर-दूर तक फैले बर्फ से लदे गगनचुंबी हिमालय पर्वत के शिखर, ऊंचाई से गिरते झरनों का झर-झर करता सुमधुर स्वरए घाटियों से होकर सपीली चाल से बहती हुई हुई में मंदाकिनी नदीए चीड़ और देवदार के आकर्षक और मनमोहक नजारे तथा दूर तक फैली हुई खामोशी वातावरण को इतना खुशनुमा और रंगीला रूप प्रदान करते हैं कि दूर देश के रहने वाले सैलानी यहां की वादियों में मदमस्त होकर विचरण करते देखे जा सकते हैं. यहां के आलौकिक नजारे ह्रदय को शांति प्रदान करने के लिए काफी है. केदारनाथ में आप मई, जून, सितंबर और अक्तूबर महीने में जा सकते हैं. इन दिनों यहां का मौसम पर्यटन के लिहाज से बहुत ही खुशगवार रहता है. जुलाई-अगस्त में यहां व्यापक रूप से भारी वर्षा होती है तथा अक्तूबर से अप्रैल तक कड़ाके की सर्दी पड़ती है जिसके कारण यहां के मंदिर के कपाट बंद हो जाते हैं जो सर्दी के बाद मई के महीने में खुलते हैं. इसलिए इन दिनों तीर्थयात्रियों का आना बिल्कुल ही बंद रहता है, हां, वनस्पति शास्त्री, चिंतक और प्रकृति प्रेमी इस मौसम में भी आना नहीं भूलते जबकि यहां के रास्ते बर्फ से अवरुद्ध हो जाते हैं. वर्षा के मौसम में इस स्थल पर जाना हो तो सावधानी अपेक्षित है. ऊंचे-नीचे और पथरीले दुर्गम रास्तों पर वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए विशेष सावधानी की आवश्यकता होती है।

दिल्ली से केदारनाथ हरिद्वार के रास्ते से जाने पर 346 किलोमीटर दूर है. अन्य स्थानों से भी केदारनाथ जाने के लिए इसकी सुविधा उपलब्ध है. बद्रीनाथए गंगोत्री, ऋषिकेश, मसूरी, कोटद्वार, काठगोदाम और नैनीताल से बसें नियमित रूप से केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को ले जाती हैं. ये बसें सोनप्रयाग तक ही जाती है. यहां से केदारनाथ तक की 19 किलोमीटर की दूरी पैदल ही तय करनी पड़ती है

जो सहयात्रियों के संग बतियाते तियाते हुए हुए और राह के मनमोहक नजारों को निहारते हुए आसानी से कट जाती है, पर्यटकों के लिए यूं तो सारा क्षेत्र ही देखने लायक है. फिर भी कुछ ऐसे दर्शनीय स्थल अवश्य है जिनको देखे बिना लौट आना अधूरे पर्यटन की निशानी समझा जाता है. इन दर्शनीय स्थलों में कुछ आपकी जानकारी के लिए प्रस्तुत है :

केदारनाथ मंदिर : केदारनाथ मंदिर यहां का मुख्य दर्शनीय स्थल है. भक्तजनों के लिए यह मंदिर आकर्षण का मुख्य केन्द्र है. देश के कोने-कोने से तीर्थयात्री यहां पूजा-अर्चना के लिए आते हैं. इस मंदिर में शिवलिंग स्थापित है. केदारेश्वर व नन्दी के अतिरिक्त इस मंदिर में पार्वती, गणेश, कुन्ती व पांडवों की मूर्तियों के दर्शन किए जा सकते हैं. जो कलात्मकता की दृष्टि से बेजोड़ हैं. ऐसा कहा जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद पांडव इस स्थान पर आए थे और उन्होंने यह मंदिर बनवाया था. भीषण सर्दी के मौसम में इस मंदिर के कपाट अक्तूबर से अप्रैल तक बंद रहते हैं.

वासुकी ताल: यह एक झीलनुमा ताल है जो केदारनाथ से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर मनमोहक नजारों के बीच में होने के कारण एक स्वप्नलोक-सा प्रतीत होता है. यहां का सौंदर्य किसी का भी मन मोह लेने में सक्षम है. केदारनाथ पहुंचने से 19 किलोमीटर पूर्व जिस स्थान पर बस यात्रियों को छोड़ देती है यह सोनप्रयाग कहलाता है. यहां पर सोन नदी और मंदाकिनी नदी का अद्भुत संगम देखने को मिलता है. यहां की खूबसूरती को कैमरे में कैद करके आप एक खूबसूरत यादगार अपने साथ ले जा सकते हैं. अगर आप यहां की यात्रा पर आएं

तो अपने साथ एक अच्छा-सा कैमरा अवश्य लाएं, यह आपकी यात्रा को अवश्य द्विगुणित कर देगा. यहां से 26 किलोमीटर दूर एक रास्ता गुप्तकाशी चला जाता है जहां से हिमालय की चौखम्बा चोटी का विहंगम दृश्य देखा जा सकता है. यहां पर चन्द्रशेखर महादेव तथा अर्द्धनारीश्वर के मंदिर में पूजा-अर्चना की जा सकती है. गुप्तकाशी से एक सड़क मदमहेश्वर तक चली जाती है तो दूसरी सड़क ऊखीमठ, चोपता और चमोली होती हुई बद्रीनाथ तक चली जाती है. इसके अलावा भीमगुफा, मधुगंगा, स्नोव्यू, क्षीरगंगा, भैरो शिला, उटककुंड, हंसकुंड तथा रेतकुंड भी यहां के महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है.

गांधी सरोवर

यह तालाब बहुत बड़ा है जो केदारनाथ से महज चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. प्राचीनकाल में इसे चोरावती तालाब के नाम से जाना जाता था परन्तु 1948 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थियों को इस तालाब में विसर्जित किए जाने से इस तालाब का नाम 'गांधी सरोवर' कर दिया गया. यह सरोवर मंदाकिनी नदी का भी है.

पंचगंगा

केदारनाथ मंदिर के बिल्कुल पास ही पर्वतों से उतरकर चार जलधाराएं-मधुगंगा, सरस्वती, स्वर्णद्वारी और क्षीरगंगा मंदाकिनी नदी से आकर मिलती है. जहां नयनाभिराम दृश्य पर्यटकों की आंखों को राहत पहुंचाता हैए वहीं यह कवियों का प्रेरणालोक भी साबित होता है परन्तु इन जलधाराओं के मिलने से जो भयंकर शोर उत्पन्न होता है. वह दिल दहला देने वाला साबित होता है. इन पांच जलधाराओं के मिलने के कारण ही इस स्थान को पंचगंगा का नाम दिया गया है. यहां पर एक आकर्षक मंदिर भी है. इन सब जानकारियों के पश्चात अब एक महत्वपूर्ण सवाल जो यहां पहुंचने वाले प्रत्येक सैलानी और तीर्थयात्रियों के मन में उभरता है. वह है खाने-पीने और रहने ठहरने का सवाल, खाने-पीने के लिए हम पर्यटकों को बता दें कि यहां के छोटे-छोटे ढाबों या होटलों में अत्यंत सस्ती दरों पर केवल शाकाहारी भोजन ही खाने को मिल सकता है. ठहरने के लिए यहां पर कई लीजिए धर्मशाला, होटल, बिड़ला अतिथिगृह, लोक निर्माण विभाग का निरीक्षण भवन तथा मंदिर समिति के अतिथि-गृह बने हुए है जिनमें पहले से आरक्षण करके ठहरा जा सकता है. विशेष जानकारी के लिए आप उत्तराखंड के किसी भी पर्यटन कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं. यहां आने से पहले आवश्यक जानकारी और सावधानियां अपनाने से सुखद यात्रा की अनुभूति होती है.

कभी सत्ता चलाने वाले आज 272 सीटों पर लड़ा नहीं पा रहे तो सरकार कैसे बनाएंगे: PM मोदी

> एक मीडिया हाउस के साथ इंटरव्यू में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस को ऐसा लगता था कि राम मंदिर गए तो उनका वोट बैंक ही चला जाएगा. इसलिए वो प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने नहीं आए. विपक्ष के लोग प्रभु राम को कम सामर्थ्यवान मानते हैं, इनको यह भी ज्ञान नहीं है. परमपिता परमेश्वर पर कोई अधिकार कर सकता है क्या. प्रभु राम के आगे कुछ भी नहीं है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव प्रचार की गहमागहमी के बीच एक मीडिया हाउस के साथ खास बातचीत की और चुनाव के अलावा कई अन्य अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी. अपने एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि लोकसभा का चुनाव राज्य की राजनीति से काफी ऊपर उठ चुका है. अब चुनाव देश के भविष्य और विकास के नाम पर लड़ा जा रहा है. कांग्रेस समेत विपक्ष पर हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर कोई पार्टी 272 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा नहीं कर पा रही तो सरकार कहां से बनाएंगे.

टीवी9 भारतवर्ष के खास कार्यक्रम प्रधानमंत्री एंड फाइव एडिटर्स के साथ पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, "कांग्रेस सत्ता के लिए गंभीर है, लेकिन देश के लिए वह गंभीर नहीं है." उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में पूरे देश में जो देख रहा हूं, उससे लगता है कि लोकसभा का चुनाव अब राज्यों की राजनीति से काफी ऊपर उठ चुका है. इस चीज को मैं अच्छी निशानी मानता हूं 2014 और 2019 की तुलना साल 2024 का लोकसभा चुनाव एकदम अलग हो गया है."

विपक्ष का फार्मूला वन ईयर वन पीएम: PM मोदी

विपक्ष पर वार करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "अब का चुनाव प्रधानमंत्री पर केंद्रित है. यह चुनाव देश के भविष्य, विकास और प्रधानमंत्री कौन होगा, पर चुनाव लड़ा जा रहा है. पहले तुम बताओ तुम्हारा पीएम कौन है? वहां तो कोई एक पार्टी 272 सीटों पर चुनाव ही नहीं लड़ रही है. जब कोई पार्टी 272 सीटों पर चुनाव ही नहीं लड़ रही है तो वो सरकार कहां से बनाएंगे. ऐसे में वो अब प्रधानमंत्री के लिए नया फार्मूला लेकर आ रहे हैं और वो है वन ईयर वन पीएम.

कांग्रेस को करप्शन में गोल्ड मेडल: PM मोदी

तेलंगाना की राजनीति को लेकर पीएम मोदी ने राज्य की दोनों प्रमुख दलों कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (BRS) पर जमकर हमला किया. उन्होंने कहा कि तेलंगाना में करप्शन का रैकेट चल रहा है. कांग्रेस और बीआरएस एक ही सिक्के के 2 अलग-अलग पहलू हैं. भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर करप्शन में मेडल मिलते तो कांग्रेस को गोल्ड मेडल जरूर मिलता.

इस इंटरव्यू में पीएम मोदी ने राम मंदिर को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस को ऐसा लगता था कि राम मंदिर गए तो वोट बैंक चला जाएगा. इसलिए वो प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने नहीं आए.

Flipkart Sale में Nothing Phone 2 पर मिल रहा 10 हजार रुपये की बंपर छूट

Flipkart Big Saving Days Sale जल्द ही शुरू होने वाली है. इस सेल का फायदा उठाकर आप कई स्मार्टफोन और दूसरे प्रोडक्ट्स को सस्ते में खरीद सकते हैं. ई-कामर्स प्लेटफॉर्म ने कई स्मार्टफोन से ऑफर्स को रिवील करना शुरू कर दिया है. ऐसा ही एक ऑफर Nothing Phone 2 पर मिल रहा है. फ्लिपकार्ट सेल 3 मई से शुरू होकर 9 मई को खत्म होगी. इस सेल से आप Nothing Phone 2 को बेहद कम कीमत पर खरीद सकते हैं. स्मार्टफोन पर सेल में 10 हजार रुपये से ज्यादा का डिस्काउंट मिल रहा है. आइए जानते हैं इस पर मिल रही डील की डिटेल्स.

Nothing Phone 2 की कीमत

फ्लिपकार्ट पर नथिंग फोन 2 का 8GB+128GB मॉडल की कीमत 35,999 रुपये है. इसके अलावा 12GB+256GB मॉडल के लिए 36,999 रुपये खर्च करने होंगे. 12GB+512GB वेरिएंट 38,999 रुपये में मिलेगा. यह स्मार्टफोन डार्क ग्रे और व्हाइट कलर ऑप्शन में मिल रहा है. अगर आपके पास ICCI बैंक का क्रेडिट या डेबिट कार्ड है तो 2,000 रुपये का बेनिफिट अलग से मिलेगा. हालांकि, Flipkart Sale में ये फोन 29,999 रुपये में मिलेगा. इस कीमत में बैंक ऑफर और इंस्टैंट डिस्काउंट जैसे सभी बेनिफिट्स शामिल होंगे. ये स्मार्टफोन फिलहाल Flipkart पर 37,999 रुपये की कीमत पर लिस्ट है.

Nothing Phone 2 के फीचर्स

- Nothing Phone 2 को जुलाई 2023 में लॉन्च किया गया था. इसमें यूजर्स को 6.7 इंच की डिस्प्ले मिलती है.
- इसके बैक पैनल में गोरिल्ला ग्लास दिया गया है और इसे एल्युमिनियम फ्रेम के साथ डिजाइन किया गया है.
- इसके डिस्प्ले में ग्राहकों को 120Hz का रिफ्रेश रेट और साथ ही में इसमें 1600 निट्स की पीक ब्राइटनेस और HDR10+ का सपोर्ट दिया गया है.
- आउट ऑफ द बॉक्स यह स्मार्टफोन एंड्रायड 13 पर रन करता है जिसे आप एंड्रायड 14 पर अपग्रेड कर सकते हैं.
- लैग फ्री परफार्मेंस के लिए इसमें Qualcomm SM8475 Snapdragon 8+ Gen 1 प्रोसेसर दिया गया है.
- Nothing Phone 2 में 12GB तक की रैम और 512GB तक की स्टोरेज दी गई है.
- फोटोग्राफी के लिए इसें 50+50 मेगापिक्सल का डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है.
- सेल्फी और वीडियो कालिंग के लिए इसमें 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है.
- Nothing Phone 2 में 4700mAh की बैटरी दी गई है. इसमें 45W की फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलता है.

अडानी ग्रुप को एक और जोर का झटका, SEBI ने 6 कंपनियों को थमाया नोटिस

> मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज समेत ग्रुप की 6 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस भेजा है. इन कंपनियों पर लेनदेन और लिस्टिंग विनियमन नियमों के कथित उल्लंघन का आरोप है.

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (SEZ), अदाणी एनर्जी, अदाणी पावर, अदाणी विल्मर और अदाणी टोटल गैस ने अपनी-अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी है.

अदानी एंटरप्राइजेज ने कहा कि उसे 31 मार्च को समाप्त तिमाही के दौरान दो कारण बताओ नोटिस मिले हैं. ये नोटिस हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के बाद भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा जारी किए गए हैं.

इस मामले की जांच सेबी कर रही है

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर हेरफेर तक के आरोप लगाए थे. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया था. इसके अलावा बाजार नियामक सेबी को भी जांच करने के लिए कहा गया था.

सेबी जांच में अब तक क्या हुआ?

2 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को जांच के लिए दो महीने का वक्त भी दिया था.

सेबी को 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन सुनवाई के दौरान सेबी ने जांच के लिए 6 महीने का समय मांगा.

पीठ ने इसे अगस्त तक बढ़ा दिया. यानी सेबी को अपनी जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए कुल 5 महीने का समय मिला.

14 अगस्त को सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए 15 दिन का और समय मांगा था.

25 अगस्त को सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की. बताया कि 22 जांचें पूरी हो चुकी हैं और 2 अधूरी हैं.

24 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. कहा गया कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही मानने की जरूरत नहीं है.

3 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को बाकी दो मामलों की जांच के लिए तीन महीने का समय और दिया था. सेबी ने 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी कर ली है.

Xiaomi 14 SE होगा अगले महीने भारत में लॉन्च!, जानिए इस फोन की खूबियां

Xiaomi 14 SE नाम का एक नया स्मार्टफोन भारतीय बाजार में आ रहा है, जो Xiaomi CIVI 4 Pro का रीब्रांड हो सकता है. आइए आगामी शाओमी स्मार्टफोन के बारे में विस्तार से जानते हैं. टिपस्टर अभिषेक यादव के अनुसार, ग्पंवउप 14 SE भारत में जून 2024 में लॉन्च होगा. टिपस्टर के अनुसार, यह Xiaomi CIVI 4 Pro का रीब्रांड हो सकता है. उन्होंने कहा कि इस फोन की कीमत देश में 50,000 रुपये से कम होगी. पहले पता चला था कि Xiaomi भारत में CIVI 4 Pro को Xiaomi 14 CIVI के तौर पर लॉन्च करने का प्लान बना रहा है. तो ऐसा हो सकता है कि Xiaomi 14 SE एक पूरी तरह से अलग फोन हो सकता है. उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में इस मामले में पर ज्यादा जानकारी मिलेगी.

शाओमी Xiaomi 14 SE को भारत में 6.55 इंच डिस्प्ले और क्वालकॉम के Snapdragon 8s Gen 3 प्रोसेसर के साथ लॉन्च कर सकता है. फोटोग्राफी के लिए इस स्मार्टफोन में दमदार कैमरा सेटअप मिल सकता है.

Xiaomi Civi 4 Pro के स्पेसिफिकेशन

इस स्मार्टफोन में 6.55-इंच की फुल HD+ OLED डिस्प्ले दी गई है. फोटोग्राफी के लिए इस फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है. इसमें Leica ऑप्टिक्स समिलक्स लेंस और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन (OIS) सपोर्ट के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 50 मिमी Leica प्रोफेशनल पोर्ट्रेट लेंस के साथ एक और 50-मेगापिक्सल सेंसर और तीसरा 112-डिग्री लीका अल्ट्रा-वाइड- एंगल लेंस के साथ 12-मेगापिक्सल सेंसर शामिल है. इसके फ्रंट में 32 मेगापिक्सल का ड्यूल कैमरा यूनिट दिया गया है.

Xiaomi Civi 4 Pro में 16GB तक LPDDR5x रैम के साथ स्नैपड्रैगन 8s Gen 3 प्रोसेसर दिया गया है. इसमें 512GB तक UFS 4.0 ऑनबोर्ड स्टोरेज है. यह Xiaomi के हाइपरओएस को आउट-ऑफ-द-बॉक्स चलाता है. पावर बैकअप के लिए इस फोन में 4,700mAh की बैटरी दी गई है, जो कि 67W वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है.

‘दुशील को लेकर काका का मोह’ राधिका खेड़ा ने कर दिया खुलासा, पूर्व सीएम पर लगाया बड़ा आरोप

> कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था. इस वायरल वीडियो में वह रोते हुए दिखाई दे रही थीं. उन्होंने कहा था कि मेरी इंसल्ट हुई है. इस इस मामले में उन्होंने खुलासा करते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर बड़ा हमला बोला है.

रायपुरः कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने कथित तौर पर छत्तीसगढ़ में हुए दुर्व्यवहार को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर बड़ा हमला बोला है. राधिका खेड़ा ने एक्स पर लिखा है कि दुशील को लेकर काका का मोह, एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है, लेकिन लड़की हूं लड़ रही हूं. मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी के ननिहाल में दीदी (प्रियंका गांधी) का स्वागत है. बीते रोज सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कथित तौर पर राधिका खेड़ा फोन पर किसी से बात कर रही थी और अपने साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए कह रही थी कि अपने 40 साल की लाइफ में ऐसा नहीं हुआ. मेरी इंसल्ट हुई है. मेरे ऊपर चिल्लाया गया है. मैं पार्टी से भी इस्तीफा दे रही हूं.

सोशल मीडिया में वायरल हुआ था वीडियो

यह वीडियो रायपुर के कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन का बताया जा रहा है. इतना ही नहीं, पिछले दो दिनों में उन्होंने जो एक्स पर लिखा है, उसके मुताबिक पार्टी के अंदर सब ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. उन्होंने एक्स पर लिखा था, ''कौशल्या माता के मायके में बेटी सुरक्षित नहीं, पुरुषवादी मानसिकता से ग्रसित लोग आज भी बेटियों को पैरों तले कुचलना चाह रहे हैं. करूंगी खुलासा.''

सोशल मीडिया पर किए थे कई पोस्ट

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, ''नारी तू अबला नहीं, स्वयं शक्ति पहचान. अपने हक को लड़, तब होगा उत्थान.'' उन्होंने आगे लिखा, ''क्यों नारी लाचार है, लुटती क्यों है लाज. क्या पुरुषत्व विहीन ही हुई धरा ये आज.'' कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने एक्स पर अपना दर्द उस वक्त साझा किया है जब छत्तीसगढ़ के प्रवास पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी थीं.

ओडिशा में लोकसभा की सभी 21 सीटें जीतेंगे... केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का दावा

> केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ओडिशा में बीजेपी इस साल लोकसभा और विधानसभा दोनों ही चुनावों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करने जा रही है. वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्य में बीजेपी के अधिक से अधिक सीटें पर जीतने की रणनीति तैयार की है.

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 21 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी की भारी मतों से विजयी होने वाली है. धर्मेंद्र प्रधान ने इसी के साथ कांग्रेस और बीजेडी पर भी निशाना साधा है. धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीजेडी के जेब में है. ओडिशा के लोग हमारे साथ हैं. उन्होंने कहा कि इस चुनाव में ओड़िया अस्मिता बड़ा मुद्दा है. यहां बाहर से आए लोग ओड़िया अस्मिता और भाषा को खत्म कर रहे हैं.

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसी के साथ कांग्रेस के उस दावे पर भी खारिज कर दिया जिसमें संविधान पर हमले को लेकर का दावा किया जा रहा है. धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस देश का संविधान कोई नहीं बदल सकता. उन्होंने कहा कि आरक्षण कोई खत्म नहीं कर सकता. ओडिशा में चार चरणों में 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को लोकसभा का चुनाव होने वाला है.

राहुल गांधी पर भी साधा निशाना

धर्मेंद्र प्रधान ने इसी के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते हैं तो वो यहां से भी बुरी तरह हारेंगे. वहीं केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव में भी ओडिशा में बीजेपी बढ़िया प्रदर्शन करने वाली है. उनका कहना है कि बीजेपी राज्य में नंबर-1 पार्टी साबित होगी. नये सीएम का फैसला संसदीय बोर्ड करेगा.

ओडिशा में सरकार बनाने का वादा

लोकसभा चुनाव के साथ-साथ जिन चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, उनमें ओडिशा के अलावा आंध्रप्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश है. ओडिशा में विधानसभा की 147 सीटें हैं. यहां की सत्ता पर बीजेडी की सरकार है. पिछले करीब दो दशक से यहां नवीन पटनायक सीएम पद पर आसीन हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्य में बीजेपी के अधिक से अधिक सीटें पर जीतने की रणनीति तैयार की है. केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी राज्य में बीजेपी का जनाधार बढ़ाने में जुटे हैं.

क्या आपको भी बचाना है इनकम टैक्स?

करदाता कर चुकाने के लिए कर बचत के विकल्प तलाशते हैं. ऐसे कई विकल्प हैं जिनके जरिए आप अपना टैक्स भी बचा सकते हैं. अगर आप भी ऐसे ही विकल्पों की तलाश में हैं तो यह खबर आपके लिए है.

पीपीएफ

कई लोग इस विकल्प (टैक्स सेविंग टिप्स) में निवेश करके अपना टैक्स बचाते हैं. पीपीएफ में 15 साल की लॉक-इन अवधि होती है. इसमें निवेश पर मिलने वाला ब्याज टैक्स फ्री होता है.

एफडी

कई बैंक और डाकघर टैक्स सेविंग एफडी की पेशकश करते हैं. इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत 5 साल की अवधि वाली FD पर 1.5 लाख रुपये का टैक्स बचाया जा सकता है. बैंक इस पर सात से नौ फीसदी का अच्छा ब्याज दे रहा है. लेकिन इसमें मिलने वाले ब्याज पर टैक्स देना होगा.

Life Insurance Policy

जीवन बीमा पॉलिसी हर किसी के लिए जरूरी है. आपको अपनी जरूरत के हिसाब से पॉलिसी लेनी चाहिए. अगर आप भी एलआईसी में निवेश करते हैं तो आपको टैक्स में छूट मिलेगी. इस निवेश के जरिए भी 1.5 लाख रुपये तक टैक्स बचाया जा सकता है.

National Pension System

अगर आप कहीं निवेश कर पैसा और टैक्स बचाना चाहते हैं तो यह स्कीम आपके लिए अच्छी है. इसमें आयकर विभाग की धारा 80CCD (1B) के तहत 50,000 रुपये तक की सालाना टैक्स छूट का लाभ उठाया जा सकता है.

National Savings Certificate

इस योजना में निवेश करने पर कोई बाजार जोखिम नहीं है. इसमें निवेशकों को सालाना 6.8 फीसदी का ब्याज दिया जाता है. इसमें करदाता सालाना 1.5 लाख रुपये टैक्स बचा सकते हैं.

Equity Linked Savings Scheme

इसमें भी निवेश करके एक साल में 1 लाख रुपये तक टैक्स बचाया जा सकता है. लेकिन करदाताओं को पूंजीगत लाभ कर का भुगतान करना होगा.

EPF

कर्मचारी भविष्य निधि में आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाया जा सकता है. आयकरदाता इसके जरिये 1.5 लाख रुपये तक टैक्स बचा सकते हैं.

इसके अलावा वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी योजनाओं में निवेश करके भी टैक्स बचाया जा सकता है.

पहले लोगों ने मोड़ा मुंह, अब गांधी परिवार ने छोड़ा मोह, 25 साल बाद अमेठी में नहीं लड़ेगा चुनाव

> अमेठी गांधी-नेहरू परिवार की परंपरागत सीट मानी जाती रही है. कांग्रेस ने लंबे समय तक इस सीट पर राज किया है. 1999 से 2019 तक इस सीट पर गांधी परिवार का कब्जा था. मगर 25 साल बाद अमेठी में गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा.

पहले लोगों ने मोड़ा मुंह, अब गांधी परिवार ने छोड़ा मोह, 25 साल बाद अमेठी में नहीं लड़ेगा चुनाव

जिस अमेठी सीट पर गांधी-नेहरू परिवार का वर्षों तक कब्जा रहा, उस सीट का मोह गांधी परिवार ने अब बिल्कुल ही छोड़ दिया है. 25 साल बाद अमेठी में गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा. कल तक यह लगभग तय माना जा रहा था कि राहुल और प्रियंका में से कोई एक यहां अपनी दावेदारी पेश करेगा लेकिन जब शुक्रवार को उम्मीदवार घोषित किया गया तो लिस्ट में किसी और का नाम शामिल था. कांग्रेस पार्टी ने किशोरी लाल शर्मा को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है. किशोरी लाल शर्मा का गांधी परिवार से वर्षों का नाता है.

अमेठी गांधी-नेहरू परिवार की परंपरागत सीट मानी जाती है. कांग्रेस ने लंबे समय तक इस सीट पर राज किया है. संजय, राजीव, सोनिया से लेकर राहुल गांधी तक ने इस सीट का प्रतिनिधित्व किया है. 1999 से 2019 तक इस सीट पर गांधी परिवार का कब्जा था. 1999 में सोनिया गांधी यहां से चुनाव जीतीं. 2004 में राहुल गांधी यहां से पहली बार सांसद बने. लगातार तीन बार वो यहां से चुनाव जीते. मगर 2019 में राहुल को हार का सामना करना पड़ा.

बीजेपी की स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को शिकस्त दी. राहुल को 50 हजार से ज्यादा वोटों से हार का सामना करना पड़ा. 2019 में यहां के लोगों ने मुंह मोड़ा तो अब गांधी परिवार ने अमेठी का मोह छोड़ दिया.

अमेठी से गांधी परिवार का गहरा नाता

2019 से पहले तक यह सीट गांधी परिवार की अति सुरक्षित सीटों में से एक मानी जाती थी. रायबरेली की तरह अमेठी से भी गांधी परिवार का गहरा नाता रहा है. संजय गांधी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी यहां से संसदीय चुनाव जीत चुके हैं. अमेठी को गांधी परिवार की 'पॉलिटिकल डेब्यू' सीट भी कहा जाता है. संजय गांधी और राजीव गांधी की तरह राहुल गांधी ने भी अपना 'पॉलिटिकल डेब्यू' यहीं से किया था. इससे पहले 2014 के चुनाव में राहुल गांधी ने स्मृति ईरानी को 1,07,903 मतों के अंतर से हराया था. इस चुनाव में आम आदमी पार्टी की ओर से कुमार विश्वास भी मैदान में उतरे थे.

1976 में गांधी परिवार ने दी दस्तक

बता दें कि गांधी परिवार ने 1976 में अमेठी में दस्तक दी. 1977 के पहले चुनाव में काग्रेस के संजय गांधी चुनाव हार गए थे. फिर 1980 में उन्होंने चुनाव जीता. मगर उसी साल उनका विमान हादसे में निधन हो गया. इसके बाद 1981 में यहां उपचुनाव हुआ. इसके बाद उनके बड़े भाई राजीव गांधी चुनाव लड़े और जीते. इसके बाद से वो लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीते. 1984, 1989, 1991 में राजीव गांधी लगातार जीते. 1991 में राजीव गांधी के निधन के बाद यहां उपचुनाव हुआ. राजीव के सहयोगी व करीबी कैप्टन सतीश शर्मा ने विरासत संभाली. 1991 में हुए उपचुनाव में उन्होंने जीत हासिल की. 1996 में भी उन्होंने बाजी मारी लेकिन 1998 में हार गए. इस साल हुए चुनाव में बीजेपी के संजय सिंह ने जीत हासिल की थी.

अमेठी में कब किसने जीता चुनाव?

1967	–	विद्याधर बाजपेयी	–	कांग्रेस
1971	–	विद्याधर बाजपेयी	–	कांग्रेस
1977	–	रवींद्र प्रताप सिंह	–	भारतीय लोक दल
1980	–	संजय गांधी	–	कांग्रेस
1981	–	राजीव गांधी	–	कांग्रेस
1984	–	राजीव गांधी	–	कांग्रेस
1989	–	राजीव गांधी	–	कांग्रेस
1991	–	राजीव गांधी	–	कांग्रेस
1991	–	सतीश शर्मा	–	कांग्रेस
1996	–	सतीश शर्मा	–	कांग्रेस
1998	–	संजय सिंह	–	भाजपा
1999	–	सोनिया गांधी	–	कांग्रेस
2004	–	राहुल गांधी	–	कांग्रेस
2009	–	राहुल गांधी	–	कांग्रेस
2014	–	राहुल गांधी	–	कांग्रेस
2019	–	स्मृति इरानी	–	भाजपा

उद्धव कितनी भी गालियां दें, मैं नहीं बोलूंगा क्योंकि ये मेरी बालासाहेब के प्रति श्रद्धा है: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, जब उद्धव ठाकरे का ऑपरेशन हुआ तो मैं उन्हें रोज फोन करता था. उन्होंने मुझे पूछा भी कि क्या करूं, इस पर मैंने कहा कि आप पहले ऑपरेशन करवाइए. पहले शरीर पर ध्यान दीजिए. परिवार के नाते मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा. उनकी मुसीबत में सबसे पहले मिलूंगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में महाराष्ट्र की राजनीति पर बात करते हुए ये कहा. इस सवाल पर कि आप बालासाहेब का बहुत सम्मान करते थे, आप उनके साथ भी खड़े होते थे. क्या आप उद्धव को बालासाहेब की विरासत का उत्तराधिकारी मानते हैं या नहीं? पीएम मोदी ने कहा कि उद्धव बायोलॉजिकली उनके बेटे हैं, लेकिन मुझे उनका आशीर्वाद मिलता रहा है. मेरे प्रति उनका अतिशय प्रेम था. मैं वह कर्ज भूल नहीं सकता हूं.

उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र में हुए चुनावों में हम एक-दूसरे के खिलाफ (उद्धव ठाकरे के खिलाफ) लड़े थे, लेकिन उन चुनावों में भी मैंने बालासाहेब ठाकरे के खिलाफ एक शब्द नहीं कहा. मैंने जनता के बीच में ये कहा था कि उद्धव ठाकरे मुझे चाहे लाख गाली दे दें, मैं कुछ भी नहीं बोलूंगा, क्योंकि मैं बालासाहेब का सम्मान करता हूं. उनके प्रति मेरी सच्ची श्रद्धा है. उनके पारिवार में क्या दिक्कतें हैं, यह विषय मेरा नहीं है. मैं बालासाहेब का सम्मान करता हूं और जीवन भर करता रहूंगा.'

'उद्धव मेरे दुश्मन नहीं...'

उद्धव ठाकरे के लिए उन्होंने कहा, 'बालासाहेब के बेटे के नाते मैं उनका मान सम्मान करुंगा. वो मेरे दुश्मन नहीं हैं. कोई मुसीबत होगी तो परिवार के नाते मैं पहला व्यक्ति मिलूंगा जो उनकी मदद के लिए सबसे आगे खड़ा नजर आएगा.'

पीएम मोदी ने बालासाहेब के विचारों का जिक्र करते हुए कहा, कि जहां तक बालासाहेब ठाकरे के विचार हैं, मैं उनके लिए जिऊंगा. मेरे प्रति उनका गहरा प्रेम था. मैं उनका कर्ज नहीं भूल सकता हूं. महाराष्ट्र में आज जो शिवसेना है वो हमारे साथ है. ये बालासाहेब की शिवसेना है. भारतीय जनता पार्टी के ज्यादा विधायक होने के बावजूद आज महाराष्ट्र में शिवसेना के मुख्यमंत्री हैं. यही मेरी बालासाहेब के लिए श्रद्धांजलि है.

लोगों का इमोशन हमारे साथ

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में इस बार के चुनाव में लोगों का इमोशन हमारे साथ है, क्योंकि बालासाहेब की शिवसेना हमारे साथ है. बालासाहेब अपने शिवसैनिकों के लिए काम करते थे, उनके लिए समर्पित रहते थे, लेकिन बेटे ने आज सत्ता के लिए उन्हें गंवा दिया.

पीएम मोदी ने कहा कि शरद पवार का झगड़ा विरासत वाला है. उनका पूरा जोड़ बेटी को विरासत सौंपने पर है, न कि काम करने वाले भतीजे को. महाराष्ट्र में लोगों में इस बात को लेकर गुस्सा है कि जो बालासाहेब उनके लिए समर्पित थे उनका बेटा सावरकर का अपमान और औरंगेजब की तारीफ करने वालों के साथ बैठा है. यही कारण है कि महाराष्ट्र की जनता का इमोशन हमारे साथ है.

क्यों चर्चे में है बस्तर की फाइटर गर्ल निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल, कारण जानकर आप भी सलाम करेंगे

Bastar Fighter Girl: बस्तर की फाइटर गर्ल निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल की चर्चा छत्तीसगढ़ में खूब हो रही है. दोनों ने नक्सलियों के छक्के छुड़ाने के बाद ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की परीक्षा दे रही हैं. ऑपरेशन के बाद इन्हें हेलीकॉप्टर से परीक्षा केंद्र तक छोड़ा गया है.

रायपुर: अबूझमाड़ की जंगलों में 10 नक्सलियों को ढेर कर बस्तर फाइटर्स की दो लड़कियां निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल चर्चे में है. 16 घंटे तक नक्सलियों से जंगलों में लोहा लेने के बाद दोनों फाइटर गर्ल परीक्षा देने गई हैं. ऑपरेशन के बाद दोनों को हेलीकॉप्टर से परीक्षा देने के लिए छोड़ा गया है. इसके बाद निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल परीक्षा केंद्र में बैठकर परीक्षा दे रही हैं. दोनों शिक्षा को हथियार मानते हैं. एक ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही हैं.

शिक्षा से आएगा समाज में बड़ा बदलाव

निकिता और योगेश बस्तर फाइटर्स की जवान हैं. दोनों शिक्षा के दम पर आगे बढ़ना चाहती हैं. कठिन नौकरी में आने के बाद भी दोनों ने पढ़ाई नहीं छोड़ी है. दोनों का यह मानना है कि शिक्षा से ही समाज में बड़ा बदलाव आएगा. पढ़ाई पूरी करने के बाद दोनों करियर में और तरक्की चाहती हैं. निकिता और योगेश कहती हैं कि जब समाज शिक्षित होगा, तभी नक्सलवाद से मुक्ति मिलेगी.

ऑपरेशन में शामिल होने पर है गर्व

दरअसल, छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए कवायद जारी है. वहीं जो नक्सली नहीं लौटना चाहते हैं, उनका सफाया हो रहा है. उनके खिलाफ सुरक्षाबल के जवान बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं. उस ऑपरेशन में निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल शामिल हैं. दोनों कहती हैं कि हमें इस ऑपरेशन का हिस्सा होने पर गर्व है.

एक साल पहले बस्तर फाइटर में शामिल हुई हैं दोनो

छत्तीसगढ़ में बस्तर फाइटर का गठन नक्सलियों से लोहा लेने के लिए किया गया है. इसमें स्थानीय युवाओं की भर्ती होती है. निकिता प्रधान और योगेश्वरी बघेल एक साल पहले ही बस्तर फाइटर्स में भर्ती हुई हैं. इसके बाद नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में लगातार दोनों शामिल होती हैं. ऑपरेशन के दौरान उनकी चाहत होती है कि नक्सलियों से सामना हो जाए ताकि अपनी क्षमता को दिखा सकें.

ग्रेजुएशन कर रही निकिता प्रधान

गौरतलब है कि बस्तर फाइटर्स की जवान निकिता प्रधान के पिता किसान हैं. कड़ी मेहनत के बाद निकिता का चयन बस्तर फाइटर्स में हुआ है. वह आगे की पढ़ाई पूरी कर पुलिस विभाग में अफसर बनना चाहती हैं. निकिता अपने रिश्तेदार के घर में रहकर ग्रेजुएशन फाइनल इयर की परीक्षा दे रही हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीवी9 को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में पीएम मोदी ने विपक्ष के संविधान बदलने से लेकर यूसीसी तक और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से लेकर कांग्रेस के मेनिफेस्टो तक, हर सवालों को जवाब दिया है. पीएम मोदी ने यह भी बताया है कि जनता उनके बारे में क्या सोचती है और वो जनता के लिए क्या सोचते हैं.

संविधान, आरक्षण, गारंटी और 400 पार... PM मोदी के इंटरव्यू की 25 बड़ी बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में विपक्ष के संविधान बदलने के आरोप के साथ-साथ बीजेपी की गारंटी और 400 पार पर अपनी बात रखी है.

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 सालों का कार्यकाल का हमारे पास अनुभव है. आगे के लिए हमारे पार पूरा रोड मैप है. पीएम मोदी ने विपक्ष की ओर से समय-समय पर दी गई गालियों का भी जवाब दिया है. पीएम मोदी ने राम मंदिर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में कांग्रेस के नहीं शामिल होने को लेकर भी निशाना साधा है.

पीएम मोदी ने विपक्ष की ओर से किए जा रहे गारंटी पर कहा कि जिसको नकली माल बेचना होता है तो तो समान शब्द खोज लेता है. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की ओर से गरीब हटाने को लेकर किए जा रहे वादों पर पीएम मोदी ने कहा कि उनके नाना, दादी और मां जो कि रिमोट से सरकार चला रही थीं, वो भी गरीबी हटाने की बात करते थे, लेकिन क्या हुआ? यूसीसी को लेकर भी पीएम मोदी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि यह तो गोवा में पहले से लागू है.

पीएम मोदी के इंटरव्यू की 25 बड़ी बातें, पढ़ें-

पीएम मोदी ने कहा कि लोक कल्याण मार्ग सत्ता की धुरी नहीं बल्कि सेवा की धुरी की जगह है. पहले ये सेवन रेस कोर्स था, लेकिन मैंने इसका नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया. मैं मानता हूं कि यहां आने वाले हर लोगों के मन में लोक कल्याण का भाव रहना चाहिए. ये जगह सत्ता के लिए नहीं बल्कि लोक कल्याण वाली जगह है.

चुनाव मेरे लिए नया नहीं है. पहले मैं संगठन में रहकर चुनाव लड़ाने का काम किया है. उसके बाद मैं गुजरात में चुनाव लड़ा. 2014 में जब हम चुनाव मैदान में थे तो लोगों के दिमाग में सवाल थे, लेकिन लोगों के मन में एक उम्मीद थी कि कुछ तो करेगा. 2019 के चुनाव में वो उम्मीद विश्वास में पलट चुकी थी.

अब मैं समझता हूं कि 2024 जिस उम्मीद से शुरू हुआ था वो अब गारंटी में बदल चुका है. लोगों को लगता है कि दिशा तो सही है. अगर इतना कर दिया है तो आगे भी करेगा. अब मुझे लोगों की अपेक्षाओं को एड्रेश करना है. कई कठिनाइयों के बीच में से निकलते हुए हम और भी आगे जाएंगे ऐसा मेरा विश्वास है.

सरकारी व्यवस्था से चलना मेरे लिए एक कठिनाई है. ये जो हवाई ट्रैक्टर से चलना पड़ता है तो ये मेरे लिए एक कठिनाई है. मैं एक दिन में 6 कार्यक्रम कर सकता हूं, लेकिन फिलहाल में एसपीजी की वजह से 3-4 ही कर पाता हूं. एक प्रकार से मुझे घाटा हो रहा है. मुझे हर चीज का प्लान पहले करना पड़ता है. सरकार बनने के बाद मुझे 100 दिन की तैयारी करनी है.

व्यक्तिगत हमलों पर पीएम मोदी ने कहा कि मुझे चिंता ये है कि डिक्शनरी की सारी गालियां खत्म हो गई हैं. अब ये बेचारे करेंगे क्या. अब इनको दूसरी रिसर्च टीम बनानी पड़ेगी कि कोई दूसरी गाली खोजों. मैं शिव का भी उपासक हूं. शक्ति का भी उपासक हूं. अगर मुझे अमृत की हिफाजत करनी है तो विष पीना है. ये मेरे जिम्मे आया है.

राहुल गांधी के गरीबी हटाओ के बयान पर पीएम मोदी ने कहा कि इस शब्द पर मेरा कोई कॉपीराइट नहीं है. लंबी तपस्या के बाद आपके शब्द आपकी गारंटी बन जाते हैं. आपके शब्द की कीमत बढ़ जाती है. मैं गारंटी शब्द न भी उपयोग करूं तो कोई फर्क नहीं पड़ता. मैं शब्दों को लेकर बहुत सजग हूं. मेरा हर एक शब्द मेरी जिम्मेदारी है और गारंटी है.

उनके नाना, दादी, पिताजी, माता जी जब रिमोट से सरकार चलाती थीं तब गरीबी की बात करती थीं. अब कह रहे है कि हम एक झटके में गरीबी हटा देंगे, इस पर कौन भरोसा करेगा. ये देश देखता हैं. मैं जब कहता हूं कि मैं आपके लिए मेहनत करूंगा तो पूरा देश मेरी तरफ देखता है. देश ने अभी तक यह देखा है. लोगों को पूछना नहीं पड़ता है.

मेरा जीवन, मेरी वाणी और मेरी गारंटी सब एक सूत्र में हैं. ये हवा हवाई बातें नहीं है. 2014 में मैंने कहा था कि मैं गरीबों के लिए घर बनाऊंगा. तब लोग कहते थे कि कैसे होगा, कैसे करेंगे. आज 4 करोड़ घर बनाकर दे दिए. हालांकि, कुछ राज्य सरकारों का ठंडा रिस्पॉन्स रहा था. आज भी मैं यह काम कर रहा हूं. मैं 3 करोड़ और घर बनाऊंगा.

कर्नाटक में विपक्ष की 5 गारंटियों पर कहा कि जब इनका कोई चीज चलती नहीं है तो ये लोगों का ध्यान हटाने के लिए नई-नई चीज जोड़ते हैं. इनको पता नहीं है देश की जनता बहुत ही समझदार है. वो पांच गारंटी लाएं, 25 लाए, वो कुछ भी बोले इससे जमीन पर आपको जगह नहीं मिलती है.

सार्वजनिक जीवन में राजनेताओं के शब्दों की ताकत इतनी खत्म हो चुकी है कि मेरे लोगों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है.

ये सिर्फ ट्रेलर है के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा कि मैं अभी भी मानता हूं कि इतना बड़े देश में जो मैंने किया है उससे विश्वास बन गया है. मोदी सोने वाला नहीं है. मैं चीजों को और ऊंचाई पर ले जाऊंगा. दुनिया में भारत का जय-जयकार करना है. मैं रुकने वाला नहीं हूं.

विपक्ष के संविधान में संशोधन के आरोप के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा कि आज भी एनडीए के पास करीब-करीब 360 सीटें हैं. अगर कुछ और को मिला दें तो आज भी हम करीब-करीब 400 सीट के साथ ही बैठे हुए हैं. अगर ऐसा पाप किसी को करना होता तो उसी समय कर लेता. ये तर्क भी नहीं है और सत्य भी नहीं है. उनका इतिहास देख लीजिए.

जो पार्टी कांग्रेस पार्टी के संविधान के पवित्रता को नहीं मानती है वो पार्टी देश के संविधान को कैसे मानेगी. कांग्रेस पार्टी के संविधान को नष्ट करने का काम इस परिवार ने किया है. उन्होंने संविधान के मर्यादाओं को तोड़ा है.

इन्होंने संविधान के साथ हमेशा खिलवाड़ किया है. नेहरू जी को लोकतंत्र का चेहरा कहा जाता था. संसद में बैठने के बाद उन्होंने जो पहला संशोधन किया था वो उन्होंने फ्रीडम ऑफ स्पीच को प्रतिबंधित करने का काम किया था. भारत के संविधान में मैं तीन बाते मोटा मोटी देखता हूं. बहुत ही अनुभवी लोग और भारत को जानने वाले लोगों ने बैठकर संविधान को बनाया है. संविधान में वो सुगंध है.

इसलिए उसको एक सामाजिक दस्तावेज भी कहा जाता है. संविधान में देश आगे चले इसकी व्यवस्था भी है. जब संविधान बना तो उसके हर एक पेज पर पेंटिंग है. वो पेंटिंग हमे हजारों साल को जोड़ने वाली एक लिंक है.

इन्होंने सबसे पहले संविधान की मूल में जितनी धार्मिक और परंपरा वाली बातें थी उसको नष्ट कर दिया. हम जब नए संसद का उद्घाटन किया तो असली संविधान के पर्त की प्रिंट करके हमने देश के सामने रखा. जैसे मैंने संसद में शेंगोल रखा वैसे ही मैंने संविधान की ओरिजिनल कॉपी प्रिंट करा के रखा.

हमारी न्यायालय को संविधान ने जन्म दिया है. सुप्रीम कोर्ट की भावना को दरकिनार करके उन्होंने (कांग्रेस) संविधान बदल दिया. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फैसला दिया था, चुनाव को रद्द किया था. तब उन्होंने संविधान को कूड़े में डाल दिया और देश में इमरजेंसी लगा दी. उन्होंने संविधान का उपयोग सिर्फ और सिर्फ अपने एकाधिकार के लिए किया.

देश में 356 का उपयोग करके 100 बार सरकारों को खत्म किया है. और एक प्रधानमंत्री ने अकेले यह काम 50 बार किया. जो कि इन्ही के परिवार के थे. संविधान को पूरी तरह से नष्ट करना ये उनका काम था. उन्होंने वोट बैंक की राजनीति के लिए भी संविधान का इस्तेमाल किया. क्या वायनाड में सौदा हुआ है क्या? मेरे मन में ये सवाल है. क्या मुसलमानों को आरक्षण में हिस्सा दिया जाएगा बदले में वायनाड जीताओं.

आज खेल चल रहा है कि एसटी, एससी और ओबीसी को लेकर जो संविधान में आरक्षण मिला हुआ है आज उसे छीनने का प्रयास किया जा रहा है. धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकते हैं सबका यही विचार रहा है. ये धर्म के आधार पर आरक्षण देने पर टूटे हैं. ये विपक्ष की वोट बैंक पॉलिटिक्स है.

इनके लिए संविधान एक खेल है. जो ये कह रहे हैं न वो बेईमानी कर रहे हैं. कश्मीर में भारत का संविधान नहीं लागू हुआ था. आपने कश्मीर में संविधान क्यों लागू नहीं किया.

महाराष्ट्र में विपक्ष को लेकर कन्फ्यूजन और शरद पवार, उद्धव को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि मैं भी मानता हूं कि इस बार इमोशनल स्थिति बीजेपी के पक्ष में है. क्योंकि बाला साहब ठाकरे की शिवसेना हमारे साथ. एनसीपी ऑफिशियली हमारे साथ है. बाला साहब तो शिवसैनिकों के लिए जीवन खपा दिया है.

भारत में कभी कोई तानाशाह पैदा नहीं हो सकता. वह उद्धव के उस आरोप पर जवाब दे रहे थे, जिसमें उद्धव ठाकरे ने ये दावा किया है कि देश में ये आखिरी चुनाव है, इसके बाद चुनाव होंगे ही नहीं. इसके अलावा पीएम ने बाला साहब के बारे में भी बात की.

गुजरात में नमक के सिवा कोई कुछ था नहीं. गुजरात एग्रीकल्चर स्टेट नहीं था. कोई माइनिंग नहीं था. उसके बाद भी गुजरात मैन्यूफैक्चरिंग हब बना. दुनिया के 10 में से 8 डायमंड में गुजरातियों का हाथ लगा होता है. लोग निरंतर काम को देखते हैं. गुजरात में 1917 से रिकार्ड उपलब्ध है. 10 साल में 7 साल कम्युनल वायलेंस होते थे. गुजरात में आखिरी कम्युनल वायलेंस 2001 में हुआ था. जब आप काम करते हैं तो लोग आशीर्वाद देते हैं. इतने लंबे समय बाद भी कोई स्कैम नहीं, कोई आरोप नहीं.

बंगाल में सुरक्षा सबसे बड़ा मसला है. संदेशखाली में महिलाओं की बात सुनकर आंखों में आंसू आ गए, सरकार किसी हाल में उनकी बात सुनने को तैयार नहीं , मैंने रेखा पात्रा को फोन किया, दीदी को फोन किया पैसे नहीं हम आपके लिए जाएंगे कि एक वोट और एक रूपये मांगेगे रेखा दीदी ने कहा कि मैं वोट मांगूगी पैसे नहीं, जहां ऐसी नारी के रहते बंगाल में नारी का उत्पीड़न यह बंगाल में बड़ा मसला है.

जम्मू-कश्मीर में दलित भाई बहनों को 75 साल तक आरक्षण का अधिकार नहीं मिला. तब इनको क्यों रोना नहीं आया. वहां संविधान था ही नहीं. मैंने संविधान की सबसे बड़ी सेवा की है कि जम्मू-कश्मीर से 370 हटा दिया.

यूसीसी के लिए पिछली सरकारें जवाबदेह हैं. सुप्रीम कोर्ट कई बार इसे लेकर टिप्पणी की थी. देश आजाद हुआ था तब से यूसीसी है. गोवा में तो कोई समस्या नहीं हो रही है. सभी राज्यों को लगने लगा है कि गोवा में अगर सुख समृद्धि है तो फिर क्या दिक्कत है. यूसीसी को लेकर हमला कमिटमेंट है. संविधान की भावना यूसीसी की बात कहती है.

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विपक्ष के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा कि प्रभु राम को ये इतना कम सामर्थ्य वान मानते हैं. इनको इतना पता नहीं है कि परम पिता परमेश्वर पर कोई अपना अधिकार कर सकता है क्या है. प्रभु राम कितना महान व्यक्तित्व और एक मामूली पार्टी छोटी सी बीजेपी प्रभु राम के सामने कुछ भी नहीं है. ये लोग कैसी बातें करते हैं.

गठबंधन को चुनावी राजनीति तक सीमित मत रखिए, भारत जैसे देश में अनेक विविधताएं हैं, देश में जो रीजनल पोलिटिकल एस्पिरेशन को सम्मान दें. ऐसी नेशनल पार्टी कितनी भी बड़ी क्यों न हो रीजनल एस्पिरेशन को महत्व दें. रीजनल पार्टी का लड़ाई स्टेट में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, कांग्रेस की तरह नहीं कि हम अकेले चलेंगे. हमारी कांग्रेस जैसी सोच नहीं है.

पथरी का कारण आपकी रोजाना की ये आदतें, आज से करें बंद....

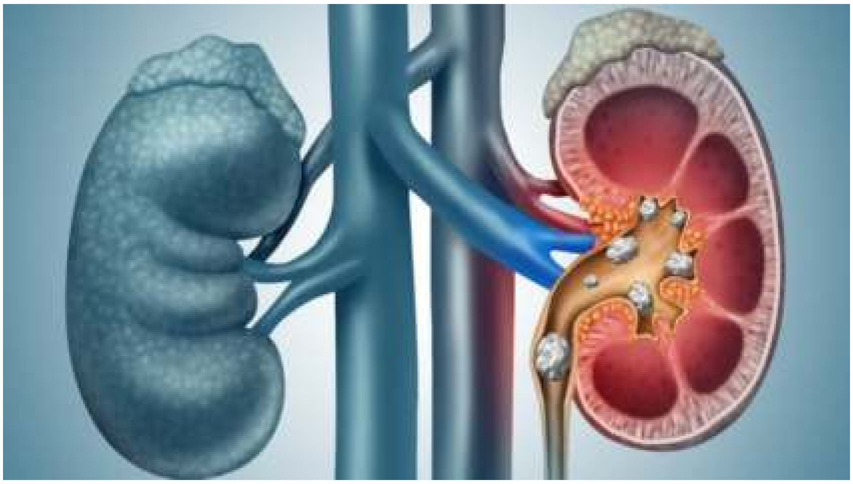

हर साल, पांच लाख से अधिक लोग गुर्दे की पथरी की समस्या के लिए आपातकालीन कक्ष में जाते हैं. इसका सबसे बड़ा कारण है. प्रदूषित पानी और पान मसाले के सेवन. भारत में अक्सर किडनी स्टोन के मामले देखने को मिलते हैं. चिंता की बात ये है कि युवा वर्ग भी इसकी चपेट में आ रहा है. वैसे तो, इसके पीछे प्रोसेस्ड फूड से लेकर कई अन्य वजहें हो सकती है. ऐसे में, हाल ही में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) के यूरोलॉजी कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट्स ने प्रदूषित पानी और पान मसाले के सेवन को भी गुर्दे की पथरी का कारण बताया है. विशेषज्ञ बताते हैं कि इन दो चीजों से किडनी स्टोन 2 सेमी से ज्यादा बड़ा भी हो सकता है.

गुर्दे की पथरी के लिए सर्जरी

इस प्रकार की प्रक्रिया का उपयोग अक्सर गुर्दे की पथरी के लिए किया जाता है जिसका आकार दो सेंटीमीटर से कम होता है, नरम पथरी के लिए, और, कभी-कभी, मूत्रवाहिनी में स्थित पथरी के लिए भी. शॉकवेव लिथोट्रिप्सी आमतौर पर एक बाह्य रोगी प्रक्रिया के रूप में की जाती है, जिससे आप उसी दिन घर जा सकते हैं.रेट्रोग्रेड इंट्रा रीनल सर्जरी में किडनी से पथरी निकालने के लिए रेनोस्कोप को यूरिन के रास्ते से किडनी तक पहुंचाया जाता है और लेजर पथरी के टुकड़े-टुकड़े करके बाहर निकाल देता है. सर्जरी के अगले दिन मरीज अपनी सामान्य दिनचर्या कर सकता है.

लक्षण

कुछ गुर्दे की पथरी रेत के कण जितनी छोटी होती हैं. अन्य एक कंकड़ जितने बड़े हैं. कुछ गोल्फ बॉल जितने बड़े हैं! एक सामान्य नियम के रूप में, पथरी जितनी बड़ी होगी, लक्षण उतने ही अधिक ध्यान देने योग्य होंगे.

- आपकी पीठ के निचले हिस्से के दोनों ओर गंभीर दर्द
- अधिक अस्पष्ट दर्द या पेट दर्द जो दूर नहीं होता
- पेशाब में खून आना
- मतली या उलटी
- बुखार और ठंड लगना
- मूत्र जिसमें दुर्गंध आती हो या बादल जैसा दिखता हो
- गुर्दे की पथरी में जलन या रुकावट होने पर दर्द होने लगता है. इससे तेजी से अत्यधिक दर्द होता है. ज्यादातर मामलों में, गुर्दे की पथरी बिना किसी नुकसान के निकल जाती है.

ईडी की बड़ी कार्रवाई, 205 करोड़ की संपत्ति कुर्क, टुटेजा और अनवर ढेबर के खिलाफ एक्शन

> छत्तीसगढ़ में ईडी ने एक बार फिर से एक्शन लिया है. कथित आबकारी घोटाले में कार्रवाई करते हुए 205 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है. ईडी ने शुक्रवार को इसे लेकर बयान जारी किया है. ईडी ने कहा कि यह कार्रवाई राज्य के कई व्यापारी और अधिकारियों के खिलाफ की गई है.

रायपुरः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से बड़ी कार्रवाई की है. शुक्रवार को ईडी ने बयान जारी कर कहा कि उसने छत्तीसगढ़ में कथित आबकारी घोटाले मनी लॉड्रिंग मामले में कई अधिकारियों और व्यापपारियों की संपत्ति जब्त की है. जांच के तहत सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर के बड़े भाई व अन्य व्यक्तियों की 205 करोड़ रुपये मूल्य से अधिक की संपत्ति कुर्क की है.

किनकी-किन संपत्ति जब्त की गई

जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों में टुटेजा की 15.82 करोड़ रुपये की 14 संपत्तियां, रायपुर के महापौर व कांग्रेस नेता ऐजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की 116.16 करोड़ रुपये की 115 संपत्तियां, विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू की 1.54 करोड़ रुपये की संपत्तियां और अरविंद सिंह की 12.99 करोड़ रुपये की 33 संपत्तियां शामिल हैं.

इनके खिलाफ भी हुई कार्रवाइ

बयान के अनुसार, भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के अधिकारी और आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रुपये की संपत्ति, त्रिलोक सिंह ढिल्लों की 28.13 करोड़ रुपये की नौ संपत्तियां, नवीन केडिया के 27.96 करोड़ रुपये के आभूषण और आशीष सौरभ केडिया, दिशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 1.2 करोड़ रुपये की चल संपत्ति कुर्क की गई है.

CG News: कस्टम मिलिंग घोटाले में जांच तेज, मार्कफेड के पूर्व विशेष सचिव मनोज सोनी ED की रिमांड पर, 4 मई तक होगी पूछताछ

205 करोड़ रुपए कुल संपत्ति का मूल्यईडी ने कहा कि अनवर ढेबर की कुर्क की गई संपत्तियों में होटल वेनिंगटन कोर्ट, रायपुर शामिल है. कुर्क की गईं संपत्तियों की कुल कीमत 205.49 करोड़ रुपये है. ईडी ने टुटेजा को इस मामले में हाल ही में गिरफ्तार किया था. ईडी का आरोप है कि शराब की अवैध बिक्री के माध्यम से अर्जित कमीशन को ''राज्य के सर्वोच्च नेताओं के निर्देशों के अनुसार'' साझा किया गया था.

असम, बंगाल में बरसे वोट

> नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर 63.46 मतदान हुआ. असम, गोवा और पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने जमकर उत्साह दिखाया. यहां 70 फीसदी से अधिक मत पड़े. 2019 के चुनाव में तीसरे चरण में 68 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई थी. निर्वाचन आयोग के रात 10 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, असम में सबसे अधिक 76.52 फीसदी मतदान हुआ. महाराष्ट्र में सबसे कम 57.84 लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया. आयोग के अनुसार, ये अनुमानित आंकड़े हैं, इनमें बढ़ोतरी या कमी संभव है.

गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मताधिकार का उपयोग किया.

कई कद्दावर नेता शामिल इस चरण में कद्दावर नेताओं में केंद्रीय मंत्री अमित शाह (गांधीनगर), ज्योतिरादित्य सिंधिया (गुना), मनसुख मंडाविया (पोरबंदर), पुरुषोत्तम रूपाला (राजकोट), प्रह्लाद जोशी (धारवाड़) और एसपी सिंह बघेल (आगरा) शामिल हैं. 2019 के चुनाव में भाजपा ने गुजरात, कर्नाटक और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों की अधिकतर सीटों पर जीत हासिल की थी.

उधर, कर्नाटक में, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और भगवंत खुबा तथा राज्य के मंत्री प्रियंक खरगे समेत अन्य ने मतदान किया. महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी (एससी पवार) प्रमुख शरद पवार ने वोट डाला.

असम के कामरूप में मंगलवार को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के बाद बुजुर्ग दंपति. यहां मौसम ने साथ दिया और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्र पहुंचे.

उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर 57.34 फीसदी मतदान

तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 10 सीट पर 57.34 मतदान हुआ. दूसरे चरण में प्रदेश की आठ सीटों पर 54.85 फीसदी वोट पड़े थे. इस बार सबसे अधिक 62.81 प्रतिशत वोट संभल सीट पर पड़े जबकि सबसे कम 53.99 प्रतिशत मतदान आगरा सुरक्षित सीट पर हुआ. मैनपुरी में 58.59 वोट पड़े. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 10 सीटों में से संभल और मैनपुरी सीट सपा ने जीती थीं जबकि बाकी आठ सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार विजयी हुए थे.

आपत्तिजनक पोस्ट हटाने के निर्देश

आयोग ने कर्नाटक भाजपा के 'एक्स' अकाउंट से कांग्रेस नेताओं का आपत्तिजनक पोस्ट न हटाने के मामले को गंभीरता से लिया है. आयोग ने मंगलवार को माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट को ऐसे पोस्ट तत्काल हटाने को कहा.

तृणमूल-भाजपा कार्यकर्ता एक-दूसरे से भिड़े

पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद, जंगीपुर सीट पर मतदान के दौरान वोटरों को धमकाने की शिकायत पर तृणमूल, भाजपा और सीपीआई (एम) कार्यकर्ता भिड़ गए. उधर, यूपी के मैनपुरी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बूथ लूटने का आरोप लगाया

म्युचुअल फंड्स में निवेश से टूट रहे रिकॉर्ड, हर महीने 20,000 करोड़ का दांव पर!

Mutual Funds SIP Investment: अप्रैल 2024 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी SIP के जरिए म्यूचुअल फंड में मासिक निवेश का आंकड़ा 20,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में 20,371.47 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

पिछले साल इसी महीने में SIP के जरिए ₹13,728 करोड़ का निवेश हुआ था, जो सालाना आधार पर 48.39% ज्यादा है। वहीं, इससे पहले मार्च महीने में यह आंकड़ा 19,270.96 करोड़ रुपये था, जो मासिक आधार (MoM) पर 5.71% बढ़ गया है। सितंबर 2022 में म्यूचुअल फंड निवेश में एसआईपी का योगदान 10,000 करोड़ रुपये था, जो करीब डेढ़ साल में दोगुना हो गया है।

म्यूचुअल फंड एयूएम ₹57.26 लाख करोड़

एसआईपी निवेश में इस उछाल के कारण, म्यूचुअल फंड की प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति (एयूएम) अप्रैल 2024 में ₹57.26 लाख करोड़ थी, जो मार्च 2024 में ₹53.40 लाख करोड़ थी।

ओपन एंडेड इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह 16% कम हुआ

एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में ओपन एंडेड इक्विटी फंड के शुद्ध प्रवाह में लगभग 16% की गिरावट आई, इस महीने 18,917 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि एक महीने पहले मार्च 2024 में ओपन एंडेड इक्विटी फंड में 22,633 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था.

म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है

अप्रैल 2024 में म्यूचुअल फंड एसआईपी खातों की संख्या 8.70 करोड़ तक पहुंच गई, जो मार्च 2024 में 8.39 करोड़ थी। अप्रैल में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या भी 18.14 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही इस महीने नए एसआईपी की संख्या 63,64,907 रही।

म्यूचुअल फंड एयूएम क्या है?

म्यूचुअल फंड हाउसों द्वारा रखी गई प्रतिभूतियों के मौजूदा बाजार मूल्य को प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) कहा जाता है।

लॉन्च से पहले सड़क पर नजर आई Citroen की ये अपकमिंग SUV

फ्रेंच कार निर्माता सिट्रोन जल्द ही भारतीय बाजार में एक नई एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी में है. यह कंपनी की C5 Aircross और C3 Aircross के बाद तीसरी एसयूवी हो सकती है. रिपोर्ट में सामने आया है कि इस एसयूवी को भारत में सिट्रोन बसाल्ट (Citroen Basalt) के नाम से इस साल जून में लॉन्च किया जा सकता है. फिलहाल कंपनी भारत में इसकी टेस्टिंग कर रही है और इसी दौरान इसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं.

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में लिए गए नवीनतम स्पाई शॉट्स में Besalt SUV को बिना किसी कैमोफ्लैग के साथ देखा गया है. तस्वीरें, संभवत: एसयूवी के एंट्री-लेवल वेरिएंट की हैं और इसके एक्सटीरियर डिजाइन एलीमेंट को पूरी तरह से दिखाती हैं. बेसाल्ट एसयूवी के इस साल की दूसरी छमाही में भारत में लॉन्च किया जा सकता है.

कहां होगी पोजिशन

कंपनी की ओर से फिलहाल भारतीय बाजार में आईसीई के साथ सी3 और सी3 एयरक्रॉस के अलावा सी5 एयरक्रॉस को ऑफर किया जाता है. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि बेसाल्ट कूपे एसयूवी को कंपनी सी3 एयरक्रॉस के ऊपर पोजिशन करेगी और इसमें कई ऐसे फीचर्स को भी दिया जा सकता है, जिनको फिलहाल सी3 एयरक्रॉस में ऑफर किया जाता है.

कैसा होगा डिजाइन

सिट्रोन बसाल्ट एसयूवी की स्पाई तस्वीरों से इसके डिजाइन का पता चला है. बसाल्ट विजन कान्सेप्ट पर आधारित इस एसयूवी में आगे की तरफ प्रोजेक्टर एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और डीआरएल, फॉग लैंप के साथ बॉडी-कलर बंपर और सिट्रोएन लोगो के साथ एक पतली ग्रिल दी गई है.

इंजन और पावर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, Citroen Basalt एसयूवी में 1.2 लीटर का तीन सिलेंडर इंजन दिया जा सकता है. इसके अलावा इसमें टर्बो इंजन का विकल्प भी मिल सकता है. इस इंजन के साथ मैनुअल वेरिएंट में 110 पीएस की पावर और 190 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा. वहीं छह स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन वाले वेरिएंट में 110 पीएस की पावर और 205 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिल सकता है.

Citroen Basalt में होंगे आकर्षक फीचर्स

Citroen की C3 Aircross SUV की तरह ही नए बेसाल्ट आकर्षक अलॉय व्हील देखने को मिलेंगे. इसके अलावा कार में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम, ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम, रेन-सेंसिंग वाइपर, ऑटो हेडलाइट्स आदि फीचर्स मिल सकते हैं. इसके अलाव कीलेस एंट्री, पुश-बटन स्टार्ट, हवादार सीटों सहित कई अत्याधुनिक फीचर्स दिए जा सकते हैं. वहीं सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग, आईएसओ फिक्स पॉइंट और सीट बेल्ट रिमाइंडर मानक के रूप में पेश किए जाने की संभावना है. रिपोर्ट की मानें तो इसमें सिंगल-पैन सनरूफ और वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कार प्ले के साथ 10.1 इंच की टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट स्क्रीन और ब्लोअर के साथ छत पर लगे रियर एसी वेंट दिए जाएंगे.

रायपुर लोकसभा के आठ लाख से अधिक मतदाताओं ने नहीं डाले वोट!

रायपुर. लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत रायपुर संसदीय क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जाने के बाद भी इस बार मतदान के प्रतिशत में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई और मतदान को लेकर मतदाताओं में रुचि कम देखी गई. रात 11 बजे के अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक रायपुर लोकसभा क्षेत्र में कुल 23 लाख 75 हजार 379 मतदाताओं में से करीब साढ़े आठ लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया. इनमें रायपुर ग्रामीण विधानसभा के 1.48 लाख, रायपुर उत्तर विधानसभा के 94 हजार, रायपुर दक्षिण विधानसभा के 1.14 लाख व रायपुर पश्चिम विधानसभा के करीब 1. 35 लाख मतदाता शामिल हैं, जिन्होंने इस बार मतदान में हिस्सा नहीं लिया. गौरतलब है कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र में ही पिछले विधानसभा चुनाव 2023 और इसके पहले हुए लोकसभा चुनाव 2019 में भी 7 लाख से अधिक मतदाता वोट डालने अपने घरों से नहीं निकले थे. मतदाताओं की संख्या के लिहाज से वोट देने नहीं आए, मतदाताओं की संख्या बढ़ी. हालांकि ये अनंतिम आंकड़े हैं और अभी अंतिम आंकड़े आना बाकी है. कुछ महीनों पहले हुए विधानसभा चुनाव में इन नौ सीटों पर 68.40 फीसदी वोटिंग हुई थी.

वहीं, राजधानी रायपुर में जैसे-जैसे सुरज तपाने लगा, वैसे-वैसे मतदान के प्रति मतदाताओं का उत्साह घटता गया. दिनभर वोटिंग का सेंसेक्स तापमान के इशारे पर चढ़ता-उतरता रहा. रायपुर सीट पर साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 66 फीसदी मतदाताओं और साल 2023 के विधानसभा चुनाव में 68.40 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था. रायपुर लोकसभा क्षेत्र में पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार कम वोट डाले गए. जबकि साल 2019 के लोकसभा चुनाव के बराबर इस बार का मतदान हुआ है.

धान की टॉप 10 उन्नत किस्मों की खेती कराएगी डबल मुनाफा...

अब धान की खेती सिंचित एवं अर्ध सिंचित दोनों क्षेत्रों में होने लगी है। अर्ध सिंचित क्षेत्र में धान की खेती में बीजों की बुवाई सीधी बिजाई विधि से की जाती है। वहीं, सिंचित क्षेत्र में धान की खेती रोपाई एवं छिड़काव विधि से की जाती है। ऐसे में आने वाले महीने में किसान धान की खेती में रोपाई के लिए धान की नर्सरी लगाने का काम शुरू करेंगे।

ऐसे में धान की खेती से बंपर पैदावार के लिए धान की अच्छी किस्मों की नर्सरी लगाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। आमतौर पर देश के विभिन्न इलाकों में धान की कई उन्नत वैराइटीज की खेती किसानों द्वारा की जाती है, जो 90 से 130 दिन में तैयार होती है। लेकिन आज हम आपके लिए धान की अच्छी क्वालिटी वाली टॉप 10 किस्मों की जानकारी लेकर आए हैं, जिनकी खेती कर आप कम समय में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

अच्छा उत्पादन देने वाली धान की टॉप 10 किस्मे

देश के उत्तर दक्षिण राज्यों में अधिकतर आबादी की मुख्य खेती धान है। पूरे भारत में धान की कई उन्नत किस्में है, जिनका चुनाव आप अपने क्षेत्र की भूमि, पानी और जलवायु के अनुसार कर सकते हैं। इन टॉप 10 किस्मों में पूसा - 1460, जया धान, डब्लू.जी.एल. - 32100, सीएसआर-10, पूसा सुगंध - 3, आईआर36, आईआर 64, अनामिका, एनडीआर-359 और धानरू डीआरआर धान 310 शामिल है। धान फसल की उन्नत किस्मों का चुनाव किसान भाई अपने क्षेत्र की भूमि व जलवायु को ध्यान में रखते हुए कर सकते हैं।

भारत में धान की खेती

धान की खेती करने वाले राज्यों की सूची में पश्चिम बंगाल, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और असम राज्य शामिल हैं. ये राज्य मिलकर भारत में धान की अधिकांश खेती में अपना अहम योगदान देते हैं. हालांकि, चावल भारत के अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान में भी उगाया जाता है. वहीं भारत में धान की खेती का स्थान, जलवायु, मिट्टी के प्रकार, पानी की उपलब्धता और अन्य स्थानीय परिस्थितियों जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है.

रोड पर दहाड़ने आ रही है Royal Enfield Guerrilla 450, दमदार इंजन और इन फीचर्स के साथ देगी दस्तक

रॉयल एनफील्ड भारतीय मार्केट के लिए एक नई बाइक पर काम कर रहा है. इस बाइक को लॉन्च से पहले परीक्षण के दौरान स्पाट किया जा चुका है, जहां से इसके डिजाइन और कुछ फीचर्स की डिटेल मिलती है. इस बाइक को जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में भारत में पेश किए जाने की उम्मीद है. नई बाइक Himalayan 450-बेस्ड होगी.

गुरिल्ला 450 का डिजाइन

रॉयल एनफील्ड ने हिमालयन 450 बाइक को एडवेंचर बाइक का लुक दिया है, जबकि गुरिल्ला 450 बाइक रोडस्टार बाइक्स के लुक में पेश की जाएगी. जहां हिमालयन में फ्रंट साइड में विंडशील्ड दी है. इसके उलट रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 बाइक में आपको ये नहीं मिलेगी. साथ ही रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 बाइक डायरेक्ट हॉर्ले डेविडसन X440 और हीरो मेवरिक 440 जैसी बाइक्स को कड़ी टक्कर देगी.

गुरिल्ला 450 में नहीं मिलेगी ये एसेसरीज

हिमालयन 450 में एडवेंचर ट्रिप के लिए रियर साइड में माउंट और सैडल बैग, साइड पैनियर्स, टॉप बॉक्स और जेरी कैन रखने के लिए ऑप्शन दिया गया है. जबकि रॉयल एनफील्ड की नई गुरिल्ला 450 बाइक में आपको ये सबकुछ नहीं मिलेगा. लेकिन जरूरत के मुताबिक आप ये सारी एसेसरीज अलग से खरीद सकते हैं.

इंजन

आने वाली रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 के बारे में कहा जा रहा है कि ये बिल्कुल नई नहीं होगी. बल्कि माना जा रहा है कि इसकी इंजन और बॉडी (चेसिस) वही होगी जो रॉयल एनफील्ड हिमालयन में इस्तेमाल की गई है. रॉयल एनफील्ड हिमालयन में एक सिलेंडर वाला शेरपा 450cc इंजन का इस्तेमाल किया गया है. हिमालयन वाली इस इंजन की ताकत 39-5bhp है और यह 5500 राउंड पर मिनट में 40Nm का टॉर्क देता है. कयास लगाए जा रहे हैं कि गुरिल्ला 450 में भी इसी इंजन का इस्तेमाल होगा.

कब होगी लॉन्च?

रॉयल एनफील्ड भारत में अपने आगामी नियो-रेट्रो नेकेड रोडस्टर का परीक्षण कर रहा है, इस बाइक का डिजाइन हंटर 350 से मिलता-जुलता सा प्रतीत होता है. हंटर की तुलना में आगामी बाइक को कई नए फीचर्स के साथ लाया जाएगा. इसमें हिमालयन के नवीनतम संस्करण के कई फीचर्स को शामिल किए जाने की खबर है. ळनमततपससं 450 नेमप्लेट के लिए एक ट्रेडमार्क दायर किया जा चुका है. रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 के अगले महीने के अंत या जुलाई की शुरुआत में लॉन्च होने की उम्मीद है.

इनसे होगा मुकाबला

आगामी बाइक का मुकाबला मार्केट में पहले से मौजूद हुस्क्वर्ना स्वार्टपिलेन 401 और केटीएम 390 ड्यूक जैसी बाइक्स से होगा. रेट्रो डिजाइन के साथ गुरिल्ला 450 इस बेहद प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में मजबूत पकड़ बनाने की कोशिश करेगा. इस बाइक की कीमत 2.50 लाख एक्स-शोरूम होने की उम्मीद है.

पतंजलि को एक और जोरदार झटका, 14 प्रोडक्ट्स बनाने का लाइसेंस रद्द

जिला औषधि निरीक्षक ने 16 अप्रैल को रामदेव, बालकृष्ण, दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ अदालत में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है. इसकी जानकारी केंद्रीय आयुष मंत्रालय को भी दे दी गई है. दरअसल, कोर्ट ने आयुष मंत्रालय और राज्य लाइसेंसिंग अथॉरिटी से जवाब मांगा था.

> उत्तराखंड सरकार ने बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य फार्मेसी के करीब 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं. यह जानकारी उत्तराखंड सरकार की ओर से सोमवार शाम सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दी गई.

उत्तराखंड सरकार की लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने भी सोमवार को उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया. इसमें कहा गया- पतंजलि आयुर्वेद के उत्पादों के बारे में बार-बार भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के कारण कंपनी का लाइसेंस रोक दिया गया है.

दिव्य फार्मेसी पतंजलि उत्पाद बनाती है. राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने बाबा की कंपनी को खांसी, रक्तचाप, शुगर, लीवर, गण्डमाला और आंखों की बूंदों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 14 दवाओं का उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया है. यह आदेश सभी जिला औषधि निरीक्षकों को भी भेज दिया गया है.

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने का भी निर्देश दिया था.

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने कुछ उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों को रोकने के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए रामदेव की बार-बार आलोचना की है.

सुप्रीम कोर्ट कल करेगा पतंजलि मामले की सुनवाइ

अब सुप्रीम कोर्ट आज (30 अप्रैल) पतंजलि मामले की सुनवाई करेगा ताकि यह तय किया जा सके कि रामदेव के खिलाफ अवमानना का आरोप दायर किया जाना चाहिए या नहीं.

कैसी होगी मारुति सुजुकी स्विफ्ट 2024, जानिए संभावित कीमत और खासियत, जानें क्या हुए बदलाव

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी (Maruti Suzuki) भारत में चौथी जनरेशन की स्विफ्ट पेश करने की तैयारी कर रही है. कंपनी की ओर से गुरुवार (9 मई) को नई स्विफ्ट (2024 Maruti Suzuki Swift) को लॉन्च किया जाएगा. आधिकारिक रिलीज से पहले इसकी कुछ खूबियां का खुलासा हुआ है.

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि नई स्विफ्ट को 5 वैरिएंट्स – LXI, VXI, VXI (O), ZXI और ZXI+ में पेश किए जाने की संभावना है. लीक के मुताबिक, ऐसा लगता है कि आने वाली स्विफ्ट दमदार फीचर्स की लंबी लिस्ट के साथ बाजार में उतरेगी. लिस्ट में रियर डिफॉगर, हैलोजन प्रोजेक्टर हेडलैंप, हिल स्टार्ट असिस्ट, फ्रंट में डुअल एयरबैग और कर्टेन एयरबैग शामिल हैं. यह सब स्टैंडर्ड पैकेज में आने की उम्मीद है.

कितनी मिली बुकिंग

मारुति की ओर से जानकारी दी गई है कि कंपनी की New Swift 2024 को सिर्फ 10 दिनों में ही देशभर से 10 हजार यूनिट्स के लिए बुकिंग मिल चुकी है. ऑनलाइन और ऑफलाइन डीलरशिप के जरिए इस कार के लिए बुकिंग को सिर्फ 11 हजार रुपये में करवाया जा सकता है.

लुक और डिजाइन

हालांकि ओवरऑल डिजाइन पहले जैसा ही है. लेकिन ये पहले से और भी ज्यादा शॉर्प हो गई है. इसमें नया बंपर, नए डिजाइन का रेडिएटर ग्रिल दिया गया है. इसके अलावा ब्रांड का लोगो जो कि पहले ग्रिल के बीच में मिलता था, उसे कार के फ्रंट बोनट पर जगह दी गई है. नए हेडलैंप और फॉग-लैंप भी कार के फ्रंट को बिल्कुल फ्रैश लुक देते हैं. छमूॅपजि थोड़ी बड़ी है. ये कार मौजूदा मॉडल की तुलना में पहले से 15 मिमी लंबी और तकरीबन 30 मिमी तक उंची होगी. हालांकि व्हीलबेस पहले जैसा ही 2,450 मिमी है. कंपनी नई स्विफ्ट में पिछले दरवाजे पर डोर हैंडल को ब-पिलर से हटा कर इसे पारंपरिक तरीके से दरवाजों पर दे दिया है. इसके अलावा नए डिजाइन के अलॉय व्हील इसे और खूबसूरत बनाते हैं.

नया इंटीरियर

नई स्विफ्ट के इंटीरियर में 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट यूनिट, स्लीक एसी वेंट और एक नए डिजाइन का क्लाइमेट कंट्रोल पैनल है, जो अब मारुति बलेनो के कंसोल जैसा दिखता है. डैशबोर्ड का ड्राइवर साइड उतना अलग नहीं दिखता क्योंकि इसमें अभी भी TFT मल्टी-इंफॉर्मेशन डिस्प्ले के साथ डुअल-पॉड एनालॉग सेटअप है. इसमें हल्के और गहरे भूरे रंग के सेक्शन के साथ लाइट केबिन थीम मिलने की भी उम्मीद है.

अपग्रेडेड फीचर्स और सेफ्टी

2024 स्विफ्ट में हैचबैक के मौजूदा मॉडल के मुकाबले ज्यादा फीचर्स मिलेंगे, जिसमें एक बड़ा इंफोटेनमेंट यूनिट होगा जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले कम्पैटिबिलिटी को सपोर्ट करेगा. इसमें मारुति की कनेक्टेड कार टेक फीचर्स भी दिए जाएंगे. अन्य फीचर अपग्रेड में स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग और वायरलेस चार्जिंग शामिल हैं. साथ ही इसमें क्रूज कंट्रोल, ऑटो एसी, रियर पार्किंग कैमरा और पुश-बटन स्टार्ट-स्टॉप जैसे फीचर्स पहले की तरह ही मिलेंगे.

कितनी है सुरक्षित

मारुति की इस नई कार में कंपनी ने सुरक्षा का भी ध्यान रखा है. अब New Swift 2024 को भी स्टैंडर्ड छह एयरबैग के साथ लाया गया है. इसके साथ ही इसमें सेफ्टी के लिए हिल होल्ड असिस्ट, ईएसपी, रिवर्स पार्किंग कैमरा, एबीएस, ईबीडी जैसे सेफ्टी फीचर्स को दिया गया है. जबकि पुराने वर्जन के सभी वेरिएंट्स में स्टैंडर्ड छह एयरबैग नहीं दिए जाते थे.

कीमत में कितना है फर्क

पुरानी जेनरेशन स्विफ्ट की एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत छह लाख रुपये से होती थी, लेकिन अब नई जेनरेशन की एक्स शोरूम कीमत 6.49 लाख रुपये से शुरू होती है. पुरानी स्विफ्ट के टॉप वेरिएंट को 9.03 लाख रुपये खर्च करने पड़ते थे, लेकिन नई स्विफ्ट के टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 9.65 लाख रुपये हो गई है.

अगले महीने Vivo ला रहा है एक शानदार फोल्डबल फोन, लॉन्च से पहले BIS सर्टिफिकेशन पर हुआ लिस्ट

> Vivo भारत में जल्द ही अपना नया फोल्डिंग फोन लॉन्च कर सकता है. कंपनी Vivo X Fold 3 Pro को चीन में लॉन्च कर चुकी है. ब्रांड ने इस फोन को मार्च में लॉन्च किया था. अब Vivo इस फोन को चीन में लॉन्च करने की तैयारी में है. हालांकि, कंपनी ने आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है. रिपोर्ट्स की मानें तो ब्रांड इस हैंडसेट को अगले महीने भारत में लॉन्च कर सकता है. Vivo X Fold 3 Pro में Qualcomm Snapdragon 8 Gen 3 प्रोसेसर दिया गया है. इस स्मार्टफोन में 8-03-inch का AMOLED डिस्प्ले मिलता है, जो 120Hz रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है.

अगले महीने होगा लॉन्च

Vivo X Fold 3 Pro को लॉन्च से पहले BIS सर्टिफिकेशन पर देखा गया है, जिससे संकेत मिलता है कि फोन की लॉन्च डेट नजदीक आ चुकी है. फोन को गीकबेंच पर भी लिस्ट किया जा चुका है. जहां फोल्डेबल फोन के कुछ स्पेसिफिकेशन्स की जानकारी भी मिलती है.

12 साल तक खराब नहीं होगा Vivo X Fold 3 Pro का हिंज

कहा जा रहा है कि वीवो का मोस्ट अवेडेटड फोल्डेबल स्मार्टफोन Vivo X Fold 3 Pro, फोल्डेबल स्मार्टफोन सेगमेंट में तहलका मचा देगा. लॉन्च होने पर, यह कार्बन फाइबर कील कंपोनेंट से लैस हिंज वाला पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन बन जाएगा.

कार्बन फाइबर, एक्स फोल्ड 3 प्रो को नॉर्मल फोल्डेबल फोन में लगे हिंज की तुलना में ज्यादा मजबूती के साथ कुछ अन्य भी फायदे देता है. यह मटेरियल, फेदरलाइट पोर्टेबिलिटी, बूस्टर, सस्टेनेबिलिटी और मजबूती प्रदान करता है. जैसा कि टीयूवी रीनलैंड द्वारा टेस्ट किया गया है, एक्स फोल्ड 3 प्रो, अपने कार्बन फाइबर हिंज के साथ 12 साल की विश्वसनीय फोल्डिंग प्रदान करेगा और 5,00,000 फोल्ड- अनफोल्ड यानी खोलने और बंद करने पर भी इसके हिंज खराब नहीं होंगे.

ड्रोन से होगी बूथों की सुरक्षा,
आठ हजार वॉलंटियर हर सुविधा का ध्यान रखेंगे

दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए 25 मई को मतदान होगा. 9 मई को चुनाव आयोग प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर देगा. दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी. कृष्णमूर्ति ने कहा कि हम मतदाताओं को सुविधाजनक और सुगम मतदान की अनुभूति देंगे...

13 हजार से अधिक केंद्रों पर मतदान होगा

दिल्ली में 2627 स्थानों पर कुल 13 हजार 637 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं. मतदान केंद्रों पर पीने का पानी, कूलर, वेटिंग एरिया समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी. पोलिंग बूथ पर अधिकतम 1800 मतदाताओं की सीमा रखी गई है.

पिक एंड ड्रॉप और व्हील चेयर मिलेगी

मतदान केंद्र तक जाने में यदि कोई असमर्थ है तो उसे चुनाव आयोग की ओर से पिक एंड ड्रॉप की सुविधा मिलेगी. कोई चलने में असमर्थ है तो केंद्र पर व्हील चेयर की सुविधा होगी. कुल 4000 व्हील चेयर की भी सुविधा की गई है.

04 अतिरिक्त मतदान केंद्र होंगे

हर बार की तरह इस बार भी महिलाओं द्वारा संचालित पिंक बूथ बनाए जाएंगे. यह सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक होंगे. इसी तरह एक-एक मॉडल पोलिंग स्टेशन भी होगा. पहली बार चुनाव आयोग एक ऐसा पोलिंग स्टेशन भी तैयार कर रहा है जहां तैनात सभी दिव्यांगकर्मी होंगे.

लाइव वेबकास्टिंग होगी

दिल्ली में 13 हजार से अधिक बूथों में से 50 फीसदी लाइव वेबकास्टिंग होगी. 78 हजार से अधिक पुलिसकर्मी, 19 हजार से अधिक होमगार्ड और 6 कंपनी सीआरपीएफ की तैनात रहेंगी. 2800 बूथ सुरक्षा के लिहाज से क्रिटिकल श्रेणी में रखे गए हैं, सुरक्षा के अलग इंतजाम होंगे. ड्रोन का भी इस्तेमाल होगा.

बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों की मदद

मतदाताओं को जानकारी देने के लिए आठ हजार से अधिक वॉलंटियर तैनात किए जाएंगे. यह 1.03 लाख चुनाव कर्मियों से अलग होंगे. यह बुजुर्गों, महिलाओं दिव्यांगों की मदद करेंगे.

ये है Samsung का सबसे सस्ता 5G फोन, 6000mAh बैटरी और 50MP कैमरा, कीमत है बस इतनी

> सस्ता 5G स्मार्टफोन खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो Samsung Galaxy F14 5G एक अच्छा ऑप्शन है. ये कंपनी का सबसे सस्ता फोन है, जो 5G सपोर्ट के साथ आता है. ये हैंडसेट Full HD+ डिस्प्ले और 90Hz रिफ्रेश रेट के साथ आता है. इसमें 50MP का प्राइमरी रियर कैमरा मिलता है. डिवाइस को पावर देने के लिए 6000mAh की बैटरी दी गई है. ये फोन दो कॉन्फिग्रेशन में आता है. इस फोन को आप 10 हजार रुपये से कम कीमत पर खरीद सकते हैं. आइए जानते हैं इस फोन की कीमत और दूसरी डिटेल्स.

इतनी है Samsung Galaxy F14 5G की कीमत

रैम के हिसाब से यह फोन दो अलग-अलग वेरिएंट में आता है. इसके 4GB+128GB वेरिएंट की कीमत 8,990 रुपये और 6GB+128GB वेरिएंट की कीमत 9,499 रुपये है. यानी दोनों ही वेरिएंट में आपको स्टैंडर्ड 128GB स्टोरेज मिलेगा. इस कीमत पर आप इसे Flipkart से खरीद सकते हैं.

बड़े डिस्प्ले के साथ हैवी रैम और प्रोसेसर

फोन में 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट वाला 6.6 इंच का आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले है, जो वॉटरड्रॉप नॉच के साथ आता है और फुल एचडी प्लस रेजॉल्यूशन प्रदान करता है. यह कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 से प्रोटेक्टेड है. फोन एक्सीनॉस 1330 चिपसेट से लैस है, जिसे Mali-G68 MP2 जीपीयू के साथ जोड़ा गया है. रैम और स्टोरेज के हिसाब से फोन दो वेरिएंट – 4GB+128GB और 6GB+128GB में आता है. स्टोरेज को बढ़ाने के लिए इसमें माइक्रो एसडी कार्ड है. फोन Android 13 पर बेस्ड OneUI Core 5.1 पर काम करता है और Android 14 और Android 15 ओएस अपग्रेड के लिए एलिजिबल है.

कैमरा और बैटरी भी पावरफुल

रियर साइड में डुअल कैमरा सेटअप मिलता है, जिसका मेन लेंस 50MP का है. इसके साथ 2MP का मैक्रो सेंसर मिलता है. फ्रंट में कंपनी ने 13MP का सेल्फी कैमरा दिया है. डिवाइस को दो मेजर एंड्रॉयड अपडेट्स और चार साल तक सिक्योरिटी अपडेट्स मिलते रहेंगे. हैंडसेट को पावर देने के लिए 6000mAh की बैटरी दी गई है, जो 25W की फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है. सिक्योरिटी के लिए साइड माउंडेट फिंगरप्रिंट सेंसर मिलता है. फोन के साथ बॉक्स में कोई भी चार्जिंग एडॉप्टर नहीं मिलेगा.

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

Product	MRP	Price
हिमालयन पिंक सॉल्ट	~~140/-~~	120/-
आर्गेनिक गुड	~~130/-~~	115/-
आर्गेनिक गुड पाउडर	~~130/-~~	115/-
गुड चना	~~150/-~~	135/-
गुड खुरचन	~~115/-~~	94/-
गुड पान	~~140/-~~	125/-
गुड पाचक	~~140/-~~	120/-
टी मसाला	~~175/-~~	160/-
रेड राइस	~~180/-~~	160/-
ब्लैक राइस	~~180/-~~	165/-
ब्राउन राइस	~~175/-~~	155/-
रामजीरा राइस	~~210/-~~	190/-
दुबराज राइस	~~160/-~~	145/-
हर्बल सोप	~~170/-~~	155/-
नारियल तेल	~~560/-~~	545/-
लाल मिर्च पाउडर	~~110/-~~	95/-
A2 घी	~~430/-~~	410/-
आम का अचार	~~175/-~~	154/-
मिक्स दाल	~~130/-~~	115/-
मसूर दाल	~~125/-~~	110/-
चना दाल	~~110/-~~	90/-
मूंग दाल (बिना छिलका)	~~130/-~~	115/-
उड़द दाल (छिलका)	~~130/-~~	115/-
झुरगा	~~125/-~~	110/-
काबूली चना	~~160/-~~	145/-
राजमा जम्मू	~~145/-~~	120/-
मल्टी ग्रेन दलिया	~~110/-~~	85/-
मूंग दाल (छिलका)	~~140/-~~	120/-
सुजी	~~80/-~~	60/-
साबुत चना	~~95/-~~	75/-
गेंहू आटा	~~110/-~~	85/-
चना बेसन	~~115/-~~	90/-
उड़द दाल (बिना छिलका)	~~140/-~~	120/-
अरहर दाल	~~145/-~~	130/-
रागी फ्लोर	~~110/-~~	85/-
राइस पोहा	~~90/-~~	77/-

More Then 100+ Organic Grocery Products

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

Scan & Shop Now

Order On ▶ www.orgalife.in Flipkart amazon

For Trade Queries/Suggestions +91-9755166622 care@orgalife.in www.orgalife.in Follow us on

ORGALIFE ORGANIC STORE

Magneto Mall, Lower Basement in front of Smart Bazar, Raipur (C.G.)